MUMBAI TARANG ™

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

उस ज्ञान का
कोई लाभ नहीं,
जो समाज के
हित में ना हो

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

जय श्री राम
Yogi 8156045100 8401376537
Bimal Patel 8401886537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-40 ❖ मुंबई ❖ रविवार 26 सितंबर से 02 अक्टूबर 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3

ठाणे में नाबालिग से 33 लोगों ने किया दुष्कर्म, 24 गिरफ्तार

पेज 5

ओवैसी ने मांगी सुरक्षा- लोकसभा स्पीकर को लिखा पत्र, बोले- मेरी हत्या हो सकती है

पेज 7

दिल को झकझोर कर रख देती है रियल इंसिडेंट से इंसपायर फ़िल्म "दिल्ली कांड"

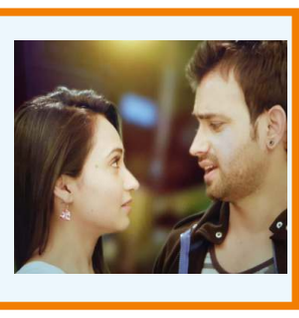

पेज 8

बेस्ट लाएगी कॉमन मोबिलिटी कार्ड, प्रस्ताव पर लगी मुहर

बीएमसी के चुनाव में अहम हो सकती है हिंदीभाषी मतदाताओं की भूमिका

गुल खिलाएगा जौनपुर पैटर्न

मुंबई, मुंबई में हुए एक दुष्कर्म कांड पर टिप्पणी करते हुए हाल ही में शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में एक संपादकीय लिखा गया। चूंकि दुर्योग से इस कांड को अंजाम देनेवाला व्यक्ति उत्तर प्रदेश के जौनपुर का मूल निवासी था, इसलिए संपादकीय में इस कांड को 'जौनपुर पैटर्न' करार दिया गया। यह बात मुंबई में रहनेवाले जौनपुर मूल के लोगों के साथ-साथ सभी हिंदीभाषियों को चुभी है, क्योंकि मुंबई के विकास में हिंदीभाषियों का खून और पसीना दोनों बहता रहा है।

हिंदीभाषियों के इस योगदान को मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) द्वारा तैयार करवाई गई एक मानव विकास रिपोर्ट में करीब एक दशक पहले रेखांकित किया जा चुका है। संयोग से उस समय भी बीएमसी पर शिवसेना का ही शासन था और राज्य में सरकार कांग्रेस-राकांपा की थी। इस रिपोर्ट में दूसरे राज्यों से आए लोगों के मुंबई की अर्थव्यवस्था में योगदान की चर्चा भी की गई है। रिपोर्ट मानती है कि अन्य राज्यों से आए लोगों ने मुंबई में ज्यादातर मेहनत वाले काम संभाले और मुंबई की अर्थव्यवस्था संभालने में मददगार साबित हुए, क्योंकि उस समय मुंबई में इस प्रकार के काम करनेवालों की जरूरत थी।

इस प्रकार की रिपोर्टें सामान्यतया राज्य स्तर पर तैयार की जाती रही हैं। यह पहला अवसर था, जब किसी महानगरपालिका ने इस प्रकार का अध्ययन करवाया था। इस रिपोर्ट के अनुसार 1961 से 2001 के बीच उत्तरी राज्यों से आनेवाले प्रवासियों ने मुंबई की आबादी बढ़ाने में बड़ा योगदान दिया। 2001 की जनगणना के आधार पर तैयार इस रिपोर्ट के मुताबिक उस समय मुंबई में उत्तर प्रदेश से आनेवालों की आबादी 24.28 फीसद, बिहार वालों की 3.50 फीसद, मध्य प्रदेश वालों की 1.14 फीसद, राजस्थान वालों की 3.14 फीसद तथा गुजरात वालों की 9.58 फीसद थी। यदि बढ़ोतरी के इस अनुपात को ध्यान में रखें तो पिछले दो दशक में मुंबई में हिंदीभाषियों एवं गुजरातियों की आबादी 50 फीसद से ऊपर होनी चाहिए। दरअसल यही आंकड़े शिवसेना की चिंता एवं भाजपा का उत्साह बढ़ा रहे हैं। मुंबई भाजपा के उपाध्यक्ष पवन त्रिपाठी की मानें तो मुंबई के 227 वार्डों में करीब 120 सीटें ऐसी हैं, जहां अकेले हिंदीभाषी ही निर्णायक या प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। त्रिपाठी के मुताबिक हिंदी एवं गुजराती भाषी मतदाताओं की इस ताकत की काट के लिए ही शिवसेना एक बार फिर मराठी कार्ड खेलना चाहती है। इसीलिए वह साकीनाका में हुए बर्बर दुष्कर्म कांड को कभी 'जौनपुर पैटर्न' करार देती है तो कभी ठाणो में एक हिंदीभाषी फेरीवाले की किसी गलती पर सभी फेरीवालों का रोजगार बंद करवाने लगती है।

यस बैंक के संस्थापक की पत्नी और पुत्रियों की याचिका पर आदेश सुरक्षित

मुंबई, गुरुवार को बॉम्बे हाई कोर्ट ने डीएचएफएल से जुड़े एक कथित भ्रष्टाचार मामले में यस बैंक के संस्थापक राणा कपूर की पत्नी बिंदु कपूर, उनकी दो बेटियों राधा और रोशनी कपूर की जमानत याचिकाओं पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। उन्होंने सीबीआई की विशेष अदालत के उस आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। विशेष सीबीआई अदालत ने पिछले सप्ताह तीनों महिलाओं की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं और उन्हें 23 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने हाई कोर्ट में तर्क दिया कि आरोपियों को गिरफ्तार करने और हिरासत में लेने की आवश्यकता तब होती है, जब उनके फरार होने की आशंका हो। सीबीआई की ओर से पेश वकील हितेन वेनेगावकर ने जमानत याचिकाओं का विरोध किया। उन्होंने कहा कि विशेष अदालत ने याचिकाकर्ताओं को न्यायिक हिरासत में भेजकर सुनवाई के लिए उनकी उपस्थिति सुनिश्चित की है। सीबीआई के अनुसार, राणा कपूर ने डीएचएफएल के कपिल वधावन के साथ एक आपराधिक साजिश की। राणा कपूर अभी जेल में हैं। यस बैंक ने अप्रैल से जून 2018 के बीच डीएचएफएल के अल्पकालिक डिबेंचर में 3,700 करोड़ रुपये का निवेश किया।

तेजी से बदला घटनाक्रम ओबीसी आरक्षण का रास्ता साफ

मुंबई, ओबीसी आरक्षण के लिए महत्वपूर्ण माने जा रहे इंपेरिकल डेटा को लेकर भी गुरुवार को एक बड़ा घटनाक्रम घटा। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में इंपेरिकल डेटा देने से मना कर दिया। सरकार ने कहा कि यह डाटा अचूक नहीं है। इसके बाद महा विकास आघाडी सरकार के नेताओं ने बीजेपी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि केंद्र सरकार का रुख साफ हो गया है और इतने दिनों से बिना वजह महा विकास आघाडी सरकार को बदनाम करने की कोशिश की जा रही थी। अब आगे क्या जब राज्य की विधान सभा का अधिवेशन नहीं चल रहा होता है और राज्य सरकार को कोई कानून बनाना होता है, तो सरकार अध्यादेश जारी करती है। किसी भी अध्यादेश की अवधि अधिकतम 6 महीने होती है। अगर सरकार इस अध्यादेश को स्थाई कानून के रूप में परिवर्तित करना चाहती है तो दोनों सदनों में पास कराना पड़ता है।

परंतु मौजूदा परिस्थितियों में विधानसभा का शीतकालीन अधिवेशन दिसंबर में होना है और उससे पहले अक्टूबर में कुछ स्थानीय निकायों के चुनाव होने हैं, इसलिए अध्यादेश के जरिए उन चुनावों में ओबीसी समाज का कोटा 50% आरक्षण की सीमा में रहते हुए निर्धारित किया जा सकता है। ओबीसी समाज को राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिल सकेगा, जो कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश से रद्द हो चुका था। दोबारा भेजा गया था प्रस्ताव राज्यपाल द्वारा अध्यादेश लौटाए जाने को लेकर महा विकास आघाडी सरकार के मंत्रियों ने राज्यपाल की आलोचना की थी। लेकिन दूसरी तरफ बुधवार को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इस पर चर्चा हुई और राज्यपाल के पास संशोधित अध्यादेश भेजने का फैसला लिया गया। रातोंरात अध्यादेश में संशोधन किया गया और फिर उसे राज्यपाल को भेजा गया, जिस पर राज्यपाल ने हस्ताक्षर कर दिए।

CBSE, ICSE, IB और कैंब्रिज स्कूलों में होगी ऑफलाइन परीक्षा

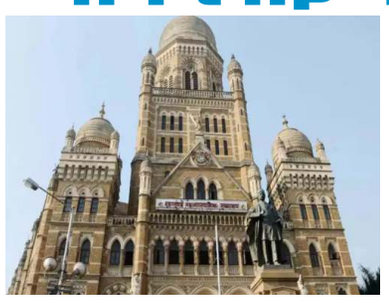

मुंबई, बीएमसी ने स्टेट बोर्ड को छोड़कर अन्य सभी बोर्डों के स्कूलों को 10वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षाएं स्कूलों में आयोजित करने की अनुमति दे दी है। अब मुंबई के सीबीएसई, आईसीएसई, आईबी और कैंब्रिज बोर्ड के स्कूलों में ऑफलाइन प्रिलिम एग्जाम होंगे। स्कूलों को कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए परीक्षा की छूट दी गई है। कोरोना महामारी के कारण पिछले शैक्षणिक वर्ष में 10वीं और 12वीं की बोर्ड की परीक्षाएं रद्द हो गई थीं। स्कूलों में परीक्षा आयोजित करने के लिए 200 प्राइवेट स्कूलों के ग्रुप ने बीएमसी से संपर्क किया था। इसमें एसएलएन ग्लोबल नेटवर्क के फ्रांसिस जोसेफ ने अहम भूमिका निभाई। जोसेफ के मुताबिक, 'सीबीएसई, आईसीएसई, आईबी और कैंब्रिज बोर्ड ने मौजूदा शैक्षणिक वर्ष से बोर्ड की परीक्षा ऑफलाइन तरीके से आयोजित करने का निर्णय लिया है। ऐसे में स्कूलों और विद्यार्थियों के पास कोई विकल्प नहीं था। इसीलिए हमने मुंबई के 200 से अधिक स्कूलों से चर्चा करके बीएमसी से इसकी मंजूरी देने के लिए संपर्क किया था। बीएमसी की तरफ से सकारात्मक जवाब मिला है।' 'आसानी से हो सकती हैं परीक्षाएं' जोसेफ के मुताबिक, 'स्कूलों में सभी गतिविधियां बंद है, सभी क्लास खाली पड़ी हैं। मुंबई में सीमित संख्या में आईबी, आईसीएसई, कैम्ब्रिज और सीबीएसई बोर्ड के स्कूल है। ऐसे में, हर कक्षा में 15 से 20 विद्यार्थियों को बैठाकर परीक्षा आसानी से ली जा सकती है।' बीएमसी का फैसला अच्छा' डीजी खेतान इंटरनेशनल स्कूल, मालाड की डायरेक्टर कविता अग्रवाल ने कहा, 'बीएमसी का यह फैसला अच्छा है। पिछले दो साल से विद्यार्थियों ने लिखित परीक्षा नहीं दी है। अब स्कूल में परीक्षा होने से विद्यार्थियों को लिखने की प्रैक्टिस होगी। भविष्य में सभी प्रवेश परीक्षाएं भी ऑफलाइन होने वाली है।' बीएमसी के शिक्षा अधिकारी राजू तडवी ने कहा, 'स्कूलों को कोरोना प्रोटोकॉल और सफाई का पूरा ध्यान देते हुए परीक्षा आयोजित करने की छूट दी गई है।'

'सभी को मिले अनुमति' नैशनल इंडिपेंडेंट स्कूल अलायंस के संथापक भरत मलिक ने कहा,'बीएमसी ने अमीरों के बच्चों को ऑफलाइन परीक्षा की अनुमति दी है।

सुधीर मुनगंटीवार ने दोहराई विशेष अधिवेशन सत्र की मांग, बोले- डोंबिवली गैंगरेप से शर्मसार महाराष्ट्र

मुंबई, महाराष्ट्र बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने डोंबिवली की गैंगरेप पर बयान देते हुए कहा है कि इस घटना से राज्य का सिर शर्म से झुक गया है। हर दिन किसी महिला के साथ इस तरह की घटना हो रही है। राज्य में महिलाओं की सुरक्षा अब भगवान भरोसे हो गई है। अब इस गैंगरेप मामले में 28 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मुनगंटीवार ने कहा कि अब विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री को अब बात पर ध्यान नहीं देना चाहिए कि इसकी मांग और कर रहा है। फ़िलहाल सभी पार्टियों को एकजुट होकर महिला सुरक्षा पर चिंतन करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जिस महाराष्ट्र को हम छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्शों पर चलने की बात करते हैं। वहां पर ऐसी घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण हैं। हम दूसरे राज्यों में हो रही रेप की घटनाओं को बताकर अपनी खामियां नहीं छुपा सकते हैं। बढ़ रही हैं रेप की घटनाएं महाराष्ट्र में महिलाओं के साथ रेप की घटनाएं कम होने की बजाय लगातार बढ़ती जा रही हैं। साकीनाका रेप और मर्डर मामले के बाद मुंबई से सटे ठाणे जिले के डोंबिवली शहर में एक 15 साल की लड़की के साथ 33 लोगों ने गैंगरेप किया। पुलिस ने इस संबंध में अभी तक 28 लोगों को गिरफ्तार किया है और दो नाबालिगों को हिरासत में लिया है। पीड़िता ने बुधवार रात पुलिस से संपर्क किया, जिसके बाद मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में गैंगरेप का मामला दर्ज किया गया। सभी आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता 376 (बलात्कार), 376 (एन), 376 (3), 376 (डी) (ए) और 4.6 और 10 यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण पर अधिनियम (पॉक्सो) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक पीड़ित लड़की ने बताया कि उसके साथ जनवरी 2021 से लेकर सितम्बर 2021 के बीच 33 लोगों ने अलग अलग जगहों पर रेप किया है। रेप करने वाले ज्यादातर आरोपी पीड़ित लड़की के पहचान वाले बताए जा रहे हैं। इस मामले में दो आरोपी नाबालिग हैं। बीते 9 महीनों से पीड़िता आरोपियों का शिकार हो रही थी। पीड़ित लड़की के परिवार वालों की शिकायत पर मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में रेप, अपहरण और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बीकेसी की ई-बाइक ने घटाया 1 लाख किलो कार्बन उत्सर्जन

मुंबई, ९० के दशक का प्रसिद्ध 'इलू-इलू' गीत एक बार फिर चर्चा में आ गया है। एमएमआरडीए की संकल्पना से बीकेसी की सड़कों पर दौड़ रही युलू ई-बाइक को लेकर सरकारी अधिकारी से लेकर आम लोग ये गाना गुनगुना रहे हैं। इसकी प्रमुख वजह यह बाइक पर्यावरण के अनुकूल साबित हो रही है। बीते एक वर्ष में इस ई-बाइक से पर्यावरण के लिए घातक कार्बन उत्सर्जन में भारी कमी आई है। एक वर्ष में १० लाख किलोमीटर चली इस पर्यावरण पूरक ई-बाइक से एक लाख किलो कार्बन उत्सर्जन घटा है। बता दें कि बीकेसी में युलू ई-बाइक की शुरुआत बीते वर्ष सितंबर में हुई थी। ई-बाइक के ऑपरेटर ने दावा किया है कि बीकेसी की सड़कों पर युलू ई-बाइक के आने से पिछले एक साल में कमर्शियल हब बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) के वातावरण में कार्बन उत्सर्जन से होनेवाले प्रदूषण की मात्रा में उल्लेखनीय कमी आई है। इससे करीब एक लाख किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन को रोकने में कामयाबी मिली है। बीते वर्ष बांद्रा, कुर्ला और बीकेसी में शुरू की गई युलू ई-बाइक को लोगों का अच्छा प्रतिसाद मिला है।

बारिश ने बिगाड़ा किचन का बजट, आसमान पर पहुंचे सब्जियों के दाम

मुंबई, मुंबई में रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण सब्जियों के भाव भी अब आसमान छू रहे हैं। आलम यह है कि बढ़ती महंगाई की मार अब आम आदमी के किचन तक जा पहुंची है, जिसके कारण घर का बजट बिगड़ने लगा है और अन्य खर्चों में कटौती कर सब्जियां खरीदी जा रही हैं। एक तरफ बारिश की वजह से सब्जियों की आवक कम है, तो वहीं डीजल के बढ़ते दामों के कारण भी इनकी ढुलाई महंगी हो रही है, जिसका असर सब्जियों के दामों पर पड़ रहा है।

बरसात में आमतौर पर दूसरे जिलों और राज्यों से आनेवाली हरी सब्जियों की आवक स्थानीय बाजार में घट जाती है। ऐसे में पिछले दिनों हुई बारिश का असर सब्जी मंडी में पड़ा है। बारिश के कारण सब्जी की आवक कम हुई है, जिससे इनके दाम बढ़े हैं। सब्जी मार्वेâट में धनिया का भाव पहले ३० रुपए बंडल हुआ करता था जबकि अब यह ६० रुपए का हो गया है। ४० रुपए किलो का गवार अब १०० रुपए प्रति किलो में मिल रहा है। इसी तरह ४० रुपए में मिलनेवाला करेला अब ६०-७० रुपए प्रति किलो पर आ गया है। गोभी अब ८०-१०० बारिश के कारण उत्पादन में कमी आई है। बिचौलियों की वजह से जनता को ज्यादा दाम पर खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। बारिश और पेट्रोल-डीजल के दाम इसकी एक मुख्य वजह है। नई सब्जियों के

रुपए प्रति किलो की बिक रही है। बिन्स पहले ५० रुपए में मिलती थी, जो अब ८० रुपए किलो में बिक रही है। इसी तरह सब्जी मंडी में अन्य सब्जियों के दाम में वृद्धि हुई है। सब्जी विक्रेता दिनेश गुप्ता ने बताया कि इन दिनों सभी सब्जियों के भाव बहुत ज्यादा बढ़ गए हैं। क्योंकि आने तक दाम में तेजी बरकरार रह सकती है। वहीं दूसरी ओर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी की वजह से सड़क से लेकर किचन तक सब-कुछ महंगा हो रहा है। मुंबई में पेट्रोल १०७ रुपए और डीजल ९७ रुपए प्रति लीटर के पार पहुंच गया है।

नर्सों की भी सोचिए

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) और पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएचएफआई) की ओर से जारी की गई हालिया स्टडी रिपोर्ट देश में डॉक्टरों और नर्सों तथा सहायक स्वास्थ्यकर्मियों के बीच कम अनुपात का जायजा लेते हुए बताती है कि कोरोना महामारी की चुनौतियों से जूझना इस कमजोर स्वास्थ्य ढांचे के लिए कितना मुश्किल रहा होगा। भारत में नर्सों और डॉक्टरों का अनुपात 1.7:1 है यानी हर एक डॉक्टर पर 1.7 नर्स। यह अनुपात कितना कम है, इसका अंदाजा इस तथ्य से मिलता है कि ओईसीडी (ऑर्गनाइजेशन फॉर इकॉनमिक को-ऑपरेशन एंड डिवेलपमेंट) देशों का औसत अनुपात 4:1 है यानी हर एक डॉक्टर पर चार नर्स। अपने यहां तस्वीर तब और चिंताजनक हो जाती है, जब इसमें क्वॉलिटी का फैक्टर जोड़ दिया जाता है। क्वॉलिफिकेशन का ख्याल रखते हुए देखा जाए तो यह अनुपात 1:1. 3 बैठता है यानी

1.3 डॉक्टरों पर एक नर्स। डॉक्टर से भी कम नर्स। बहरहाल, औसत अनुपात के ये आंकड़े भी जमीनी हकीकत का ठोस अंदाजा नहीं देते। अलग-अलग राज्यों में एकदम अलग-अलग स्थिति है। कुछ राज्यों में डॉक्टर ज्यादा हैं तो कुछ अन्य राज्यों में नर्सों की संख्या अधिक है। उदाहरण के लिए, एक तरफ पंजाब और दिल्ली जैसे राज्य हैं जहां नर्सों और डॉक्टरों का अनुपात क्रमश: 6.4 और एक एवं 4.5 और एक का है तो दूसरी तरफ बिहार और मध्य प्रदेश जैसे राज्य हैं जहां प्रति डॉक्टर एक नर्स का भी अनुपात नहीं बैठता। केरल में सबसे ज्यादा नर्सें हैं। लेकिन वहां भी हॉस्पिटलों और स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति बेहतर नहीं है। इसका पता तब चलता है जब वर्कर नर्सों की संख्या देखी जाए। वर्कर नर्सों और डॉक्टरों का अनुपात वहां भी एक और एक का ही है। वर्कर नर्सों से मतलब उन नर्सों से है, जो पंजीकृत होने के साथ-साथ सक्रिय भी हों। दिलचस्प तथ्य यह है कि कई राज्य जो डॉक्टर और नर्स अनुपात के आंकड़ों के लिहाज से काफी अच्छी स्थिति में नजर आते हैं, स्वास्थ्य सेवाओं की क्वॉलिटी के मामले में उतना अच्छा मानक नहीं दर्शा पाते। उदाहरण के लिए दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्य। यहां डॉक्टर और नर्सों का अनुपात अगर अच्छा नजर आता है तो उसकी वजह नर्सों की पर्याप्त संख्या नहीं बल्कि डॉक्टरों की कम संख्या है। इन राज्यों में प्रति दस हजार आबादी पर एक डॉक्टर हैं। नर्सों का हाल भी खास अच्छा नहीं है। देश में प्रति 670 लोगों पर एक नर्स का अनुपात बैठता है जबकि डब्ल्यूएचओ का मानदंड प्रति 300 लोगों पर एक नर्स का है। इस संदर्भ में देखें तो स्वास्थ्य ढांचे में सुधार के लिहाज से अपने देश में चर्चा हमेशा डॉक्टरों की कमी की ही होती है।

पंजाब में नेतृत्व परिवर्तन

किरीट ए. चावड़ा

पंजाब में लंबे समय से जो रस्साकशी और उथलपुथल चल रही थी, उसी का नतीजा है कि विधानसभा चुनावों से पांच महीना पहले राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की नौबत आ गई। कैप्टन अमरिंदर सिंह के इस्तीफा देने के बाद मुख्यमंत्री बनाए जा रहे चरणजीत सिंह चन्नी से पार्टी को यह उम्मीद जरूर रहेगी कि वह आने वाले चुनावों में उसकी सत्ता में वापसी कराएंगे, लेकिन इस उम्मीद का पूरा होना इतना आसान है?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन वजहों से कांग्रेस विधानसभा चुनावों से ठीक पहले इस बवंडर में फंसी, क्या वह उनसे पीछा छुड़ा चुकी है? निश्चित रूप से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू और कैप्टन अमरिंदर सिंह के बीच की अनबन सारी सीमाएं पार कर चुकी थी, लेकिन कैप्टन के इस्तीफे की पूरी जिम्मेदारी सिद्धू पर नहीं डाली जा सकती। कैप्टन की कार्यशैली को लेकर पार्टी में नाराजगी काफी पहले से थी। कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व इस असंतोष से अवगत रहा है।

उसकी समस्या यह रही कि सब कुछ जानते समझते हुए भी वह समय पर फैसला नहीं कर सका। 79 साल के कैप्टन के भरोसे प्रदेश पार्टी को ज्यादा समय तक नहीं छोड़ा जा सकता था। नए नेतृत्व की जरूरत पार्टी को थी

ही।इसके बावजूद कांग्रेस की सोच यह थी कि आने वाले विधानसभा चुनाव कैप्टन के ही नेतृत्व में लड़ा जाए। सिद्धू को प्रदेश पार्टी अध्यक्ष बनाकर यह मान लिया गया कि चुनावों तक दोनों साथ मिलकर काम करेंगे। तय हुआ कि नेतृत्व परिवर्तन के सवाल पर आखिरी फैसला चुनावों के बाद किया जाएगा। मगर हाईकमान की यह व्यवस्था कितनी अव्यावहारिक थी, यह पिछले दो महीने के घटनाक्रम ने पूरी तरह स्पष्ट कर दिया। अभी चुनावी प्रक्रिया शुरू भी नहीं हुई थी, टिकट बंटवारे का सवाल उठा भी नहीं था लेकिन चाहे कैप्टन हों या विरोधी खेमा- दोनों संगठन पर पूरा कब्जा करने के लिए दूसरे पक्ष पर निर्णायक बढ़त कायम कर लेने में लग गए। यही वजह रही कि आलाकमान के संकेत देने के बावजूद युद्धविराम नहीं हो सका। असंतुष्ट विधायक बार-बार दिल्ली पहुंचते रहे, मुख्यमंत्री बदलने के लिए दबाव बनाते रहे। आखिरकार शनिवार को विधायक दल की बैठक बुलाई गई, जिसमें अपनी हार निश्चित देख कैप्टन ने इस्तीफा दे दिया। लेकिन अब अहम सवाल यह है कि क्या चन्नी के आने से पार्टी के अंदर अलग-अलग गुटों के बीच की रस्साकशी थम जाएगी या आगे टिकट बंटवारे के समय भी गुल खिलाएगी? दूसरी बात यह कि कैप्टन ने मुख्यमंत्री पद भले छोड़ा हो, उनकी अगली चाल का सस्पेंस बना हुआ है। वह पार्टी में कैसी भूमिका निभाते हैं, कब तक रहते हैं और पार्टी छोड़ते हैं तो कहां जाते हैं, जैसे सवालों पर सबकी नजर बनी रहेगी। केवल कांग्रेस ही नहीं प्रदेश राजनीति के समीकरण भी काफी कुछ इन सवालों के जवाब पर निर्भर करेंगे।

तालिबान आ तो गए हैं, लेकिन टिक पाएंगे?

जिगर डी वाढेर

पंद्रह अगस्त को काबुल पर तालिबान का कब्जा होने के बाद सात सितंबर को प्रभावशाली कट्टरपंथी हक्कानी गुट के बहुमत वाली अंतरिम सरकार की घोषणा तो जैसे-तैसे कर दी गई, लेकिन उसके तीन सप्ताह बाद भी अफगानिस्तान में सुचारू नागरिक प्रशासनिक व्यवस्था बहाल नहीं हो सकी है। एटीएम में पैसे नहीं हैं। लोग घरों के कीमती सामान बेचने के लिए बाजार में खड़े हैं ताकि शाम के भोजन की व्यवस्था कर सकें। एक तरफ बाजारों में रोजमर्रा की चीजों की किल्लत है तो दूसरी तरफ सड़कों पर तालिबानी गुर्गे अपने हक के लिए प्रदर्शन कर रही औरतों को बंदूक की नोक से धकिया रहे हैं। दफ्तरों में सामान्य कामकाज बहाल नहीं हो सका है। महिला कल्याण मंत्रालय का नाम बदलकर शील और पाप मंत्रालय कर दिया गया है। अफगानी बैंकों के विदेश में जमा धन के इस्तेमाल पर अमेरिका ने रोक लगा दी है, अंतरराष्ट्रीय बैंकों से कर्ज पर पाबंदी लग चुकी है और अफगानिस्तान का अंतरराष्ट्रीय व्यापार ठप हो गया है।

आतंकित है नौकरशाही

तालिबान ने अभेद्य मानी जाने वाली विद्रोही पंजशीर घाटी पर कब्जा तो कर लिया है, लेकिन विद्रोही नेता अहमद मसूद और अमरुल्ला सालेह ने आत्मसमर्पण नहीं किया है। तालिबान पर इस्लामिक स्टेट के मिलिशिया के हमले अचानक तेज हो गए हैं। अफगानिस्तान पर चैन से शासन करने के लिए तालिबान को न केवल अपने गुटों के बीच सौहार्द पैदा करना होगा बल्कि 'पंजशीर के शेरों' और इस्लामिक स्टेट को भी काबू में करना होगा। 33 सदस्यों वाली कैबिनेट की घोषणा के बावजूद अंतरिम सरकार के मंत्रियों ने जिम्मेदारी से दफ्तरी दायित्व निबटाने शुरू कर दिए हों, इसके कोई संकेत नहीं मिल रहे। आतंकित नौकरशाह दफ्तरों से नदारद हैं। प्रधानमंत्री पद के दावेदार रहे लेकिन उप-प्रधानमंत्री बनाए गए मुल्ला बारादर काबुल में हक्कानियों द्वारा पीटे जाने के बाद भाग कर कंधार चले गए हैं। दोहा में अंग्रेजी बोलने वाले जो तालिबानी अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सौदेबाजी कर रहे थे, वे अपनी जिम्मेदारी संभालने काबुल नहीं लौट सके हैं। दोहा में तालिबान के अग्रणी वार्ताकार रहे स्टेनिकजाई, जिन्हें विदेश मंत्री बनाने की बात थी, उप-विदेश मंत्री घोषित तो किए गए हैं, लेकिन उनकी बोलती बंद है।

तालिबान ने पाकिस्तानी फौज के बल पर काबुल पर कब्जा तो कर लिया लेकिन अभी तक इसके नेताओं को समझ में नहीं आ रहा कि शासन आतंक के बल पर नहीं बल्कि अपनी जनता के सहयोग और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मिली मान्यता के बल पर ही चलाया जा सकता है। दुशान्बे में शंघाई सहयोग संगठन की शिखर बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तालिबान के चरित्र का खुलासा करने वाले बयान (जिस पर पाकिस्तान और चीन ने भी एतराज नहीं किया) के बाद जिस तरह तालिबान को आतंक से परहेज करने की सलाह दी गई और जिस तरह प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तालिबान को मान्यता सामूहिक फैसले से ही दी जाए, उससे तालिबान के गॉडफादर पाकिस्तान के सपने बिखर सकते हैं।

तालिबान को सबसे अधिक अमेरिका और उसके साथी देशों से राजनयिक मान्यता की जरूरत है, तभी उसे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय और अन्य व्यापारिक मदद मिल सकती है। यह तभी मुमकिन होगा जब तालिबान वादा करे कि वह आम लोगों के मानवाधिकारों की गारंटी देने के साथ-साथ महिलाओं के प्रति हर तरह का भेदभाव भी खत्म करेगा। इसके बगैर तालिबान को अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में शामिल नहीं किया जा सकता।

तालिबान न केवल अपने देश की जनता की मौन नाराजगी झेल रहा है बल्कि बाकी दुनिया से भी वह पूरी तरह कट चुका है। इस वजह से अफगानिस्तान में घोर मानवीय संकट पैदा हो गया है और वहां अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के जरिए मानवीय सहायता पहुंचाने की कवायद शुरू हो चुकी है। दिक्कत यह है कि सड़कों पर आम लोगों को आतंकित कर रहे अनपढ़ तालिबानी लड़ाकों को लगता है, अफगानिस्तान का शासन और समाज केवल शरिया कानूनों से ही चलेगा। इसकी हिमायत पाकिस्तान सरकार भी कर रही है, लेकिन इमरान खान को डर है कि कहीं अफगान तालिबान से प्रेरणा लेकर पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) वहां भी इस्लामी अमीरात की स्थापना को लेकर हमलावर तेवर न अपना लें। चीन की यह चिंता भी दूर नहीं हुई है कि शिनच्यांग प्रदेश के उइगुर विद्रोही तालिबान से प्रेरणा लेकर उसके लिए परेशानी बढ़ा सकते हैं। भारत को आशंका है कि तालिबान राज में खाली और बेरोजगार हो चुके जिहादी कहीं कश्मीर की ओर अपना मुंह न मोड़ लें। अमेरिका और पश्चिमी देशों की चिंता है कि अफगानी धरती से अल कायदा फिर अपना फन न उठाने लगे।

तालिबान अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ऐसा कोई विश्वसनीय भरोसा नहीं दे सका है, जिससे उसकी सरकार के साथ सभी देश सामान्य रिश्ते बहाल कर सकें। इस स्थिति का फायदा चीन और पाकिस्तान उठाना चाहेंगे, लेकिन वे दोनों भी एक फलते-फूलते अफगानिस्तान से ही लाभ उठा सकते हैं। पाकिस्तान ने सोचा था कि तालिबान का इस्तेमाल वह भारत के मुकाबले अधिक सामरिक क्षमता हासिल करने के लिए करेगा। चीन को लग रहा था कि तालिबान को पाकिस्तान की तरह पिट्ठू बनाकर अपने बेल्ट एंड रोड प्रॉजेक्ट का विस्तार करते हुए उसे मध्य एशिया और पश्चिम एशिया तक ले जाने में कामयाब होगा। मगर ये मंसूबे पूरे होते नहीं दिखते। तालिबान राज में एक महीने में ही जर्जर हो चुके अफगानिस्तान से चीन और पाकिस्तान भी क्या दोहन करेंगे?

अंधकारमय भविष्य

इस स्थिति में एक बड़ा सवाल यह उठता है कि तालिबान कब तक काबुल पर विराजमान रह पाएगा। तालिबान में आपसी कलह और हिंसक झगड़े भी तेज होते जाएंगे क्योंकि सत्ता में सभी गुटों को भागीदारी नहीं मिली है। विभिन्न तालिबानी गुट कह रहे हैं कि उन्होंने जो कुर्बानियां दी हैं उनका इनाम उन्हें नहीं मिला तो वे चुप नहीं बैठेंगे। ऐसी स्थिति में अफगानिस्तान का भविष्य काफी अंधकारमय लग रहा है।

चेहरा बदलने के फॉर्म्युले में कितना दम?

भूपेन्द्र पटेल

पिछले कुछ दिनों से राजनीति में बदलाव का मौसम दिख रहा है। मुख्यमंत्री बदले जा रहे हैं। अलग-अलग राज्यों में सरकार और संगठन के स्तर पर परिवर्तन की आहट दिख रही है। खासकर उन राज्यों में बदलाव अधिक दिख रहे हैं, जहां अगले एक साल के अंदर चुनाव होने हैं। बीजेपी पिछले पांच महीने में अपने चार सीएम बदल चुकी है। असम में चुनाव जीतने के बाद सर्बानंद सोनोवाल की जगह हिमंता बिस्व सरमा को सीएम बनाया, लेकिन उत्तराखंड, कर्नाटक और गुजरात में तो बीच टर्म में ही मुख्यमंत्री बदल दिए गए। उत्तराखंड में चार महीने के अंदर दो-दो मुख्यमंत्री बदले गए। कांग्रेस ने भी पंजाब में सीएम बदला। इसके अलावा कुछ और राज्यों में बदलाव की आहट है। पार्टी संगठन के स्तर पर भी बड़े बदलाव किए जा रहे हैं।इन सभी बदलावों के पीछे दोनों राष्ट्रीय दलों की मूल मंशा है एंटी इनकंबेंसी फैक्टर को काउंटर करना और संगठन के अंदर नई ऊर्जा भरना ताकि राज्यों के विधानसभा चुनावों और 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले वे तरोताजा दिख सकें। लेकिन सबसे बड़ा सवाल इन दोनों पार्टियों के संदर्भ में यही पूछा जा रहा है कि क्या चेहरे भर बदल जाने से वे मकसद पूरे हो जाएंगे, जिनकी आस में इस तरह के बदलाव किए जा रहे हैं? आजमाया हुआ फॉर्म्युला बीजेपी की बात करें तो एंटी इनकंबेंसी से निपटने का यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुराना, आजमाया हुआ फॉर्म्युला रहा है। 2001 से 2014 तक उन्होंने इसका सफल उपयोग गुजरात में किया और उसके बाद अपने सफल प्रयोग को दिल्ली आकर पूरे देश में सफलतापूर्वक लागू कर रहे हैं। गुजरात में नरेंद्र मोदी की शैली थी कि वह विधानसभा चुनाव में बड़ी संख्या में मौजूदा विधायकों का टिकट काट देते थे। सरकार में भी नियमित अंतराल पर बड़ा बदलाव करते थे। इससे वह लोकल एमएलए के खिलाफ या सरकार के खिलाफ उपजे एंटी इनकंबेंसी को पूरी तरह काउंटर कर देते थे। अभी जुलाई में केंद्र में अपनी सरकार के सात साल पूरे होने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने 43 नए मंत्रियों को टीम में शामिल कर अपने इसी आजमाए हुए तरीके से अब तक का सबसे बड़ा बदलाव किया था। हाल के समय का यह सबसे बड़ा फेरबदल था। यह फेरबदल तब हुआ, जब तमाम ओपिनियन पोल में यह बात सामने आई कि सरकार की लोकप्रियता भले बनी हुई है, लेकिन अब लोगों में कई मुद्दों पर बेचैनी और असंतोष भी बढ़ा है। अगर उन्हें दूर करने की कोशिश अभी नहीं की गई तो आने वाले समय में मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इसी तरह गुजरात में यह अनोखा और संभवत: देश में पहला

प्रयोग हुआ कि चुनाव से एक साल पहले सीएम सहित पूरे मंत्रिमंडल को बदल डाला गया। कर्नाटक में येदियुरप्पा को हटाना हो या उत्तराखंड में रावत को, इसमें भी यही मंशा सामने आई। 2019 आम चुनाव से पहले खुद पार्टी की इंटरनल रिपोर्ट के अनुसार, लोकल सरकार या सांसदों की एंटी इनकंबेंसी से निपटना सबसे बड़ी चुनौती था। तब बीजेपी ने तीस फीसदी से अधिक मौजूदा सांसदों के टिकट काटे थे। यह प्रयोग भी सफल रहा। दिल्ली में म्यूनिसिपल चुनाव में बीजेपी के प्रति एंटी इनकंबेंसी की बात सामने आई तो आला नेतृत्व की सलाह पर ही सभी पार्षदों का टिकट काट दिया गया था। इसका नतीजा यह हुआ कि विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल करने के बावजूद आम आदमी पार्टी एमसीडी पर कब्जा नहीं कर सकी। वहां बीजेपी ने अपनी सत्ता बरकरार रखी। अब पंजाब चुनाव से चंद महीने पहले कांग्रेस ने भी यही प्रयोग किया है। लेकिन इसके पीछे वजह सिर्फ एंटी इनकंबेंसी को काउंटर करना नहीं था। गुटबाजी भी एक कारण था। पार्टी को लगा कि चुनाव से पहले सरकार का चेहरा बदलने से उसको लाभ मिलेगा। लेकिन क्या यह तरीका हमेशा काम आएगा? पिछले कुछ समय से इसके मिश्रित संकेत दिखे हैं। जानकारों के अनुसार, हमेशा यह कारगर नहीं होता। इसी साल मार्च में कांग्रेस ने पुडुचेरी में एंटी इनकंबेंसी का काउंटर करने के लिए तत्कालीन सीएम नारायणसामी का ही टिकट काट दिया था, लेकिन इसका लाभ पार्टी को नहीं मिला। अगर शीर्ष नेतृत्व के प्रति लोगों में विश्वास हो और उसकी लोकप्रियता अधिक हो तो निचले स्तर पर ऐसे बदलाव का पॉजिटिव संदेश जाता है और यह कारगर होता है। लेकिन अगर लोगों की शिकायत समग्र तौर पर पूरे दल से हो तब इस तरह के बदलावों से भी सियासी तस्वीर पूरी तरह नहीं बदलती है। साइड इफेक्ट का डर भी है कांग्रेस और बीजेपी दोनों को इसका अंदाजा है। वे जानते हैं कि ऐसे कदमों के साइड इफेक्ट भी होते हैं। चुनाव से पहले इस तरह के कदम उठाने से पार्टी के अंदर गुटबाजी बढ़ती है। असंतोष भी बढ़ सकता है, जिसकी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। यही कारण है कि इस तरह का फैसला लेने से पहले काफी होमवर्क करना होता है। हालिया फैसलों के पीछे किस पार्टी का कितना तगड़ा होमवर्क था, यह चुनाव नतीजों से ही स्पष्ट होगा। उधर क्षेत्रीय दलों में यह फॉर्म्युला न कारगर होता है न इसकी जरूरत महसूस की जाती है। इसमें पार्टी या सरकार का चेहरा बस एक व्यक्ति होता है, जिसके इर्द-गिर्द चीजें घूमती हैं। लोगों को उन्हें वोट देना या नहीं देना भी इसी चेहरा विशेष पर निर्भर करता है। हालांकि तब भी ओडिशा में लंबे समय से राज कर रहे नवीन पटनायक नियमित अंतराल पर सरकार के अंदर मंत्री और अधिकारियों को बदलते रहे हैं। लेकिन सामान्य ट्रेंड है कि क्षेत्रीय दलों को उनके नेता के नाम पर ही वोट मिलते हैं।

भाजपा का कर-नाटक!... भगवान गए बांटे दलितों ने चालान काटे!

बंगलुरू, भाजपा शासित राज्यों के कारनामे सामने आ रहे हैं। इन राज्यों में प्रशासन भी सरकार के दबाव में काम कर रहा है। अब भाजपा शासित राज्य कर्नाटक में नया नाटक सामने आया है। राज्य की दुर्दशा है कि भगवान भी बांटे गए हैं। इतना ही नहीं, मंदिरों में जाकर दर्शन लेनेवाले दलितों के चालान काटे जा रहे हैं। कर्नाटक के कोप्पल जिले के हनुमासागर स्थित मियापुरा गांव में एक २ वर्षीय दलित लड़के को मंदिर में भगवान का आशीर्वाद लेना इतना महंगा पड़ जाएगा किसी ने सोचा भी नहीं होगा। लड़के की इस हरकत पर मंदिर प्रशासन द्वारा माता-पिता पर २५,००० रुपए का जुर्माना लगाया गया। उनका जुर्म सिर्फ इतना था कि बच्चे के जन्मदिन पर पिता उसे हनुमान मंदिर ले गए थे। बता दें कि दलित हमेशा बाहर से मंदिर के सामने खड़े होकर प्रार्थना करते थे क्योंकि यहां दलितों को मंदिर के अंदर जाने की अनुमति नहीं है। पिता अपने बेटे के साथ बाहर से ही भगवान की प्रार्थना करना चाहता था लेकिन उत्साह में बच्चा भागकर मंदिर के अंदर चला गया और भगवान से प्रार्थना कर वापस आ गया। विवाद बढ़ता देख कार्रवाई से बचने के लिए ऊंची जाति के लोगों ने दलित लड़के के परिवार से माफी मांगी।

कर्नाटक के कोप्पल से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक दलित परिवार पर मंदिर में प्रवेश करने के आरोप में ३५,००० रुपए का जुर्माना लगाया गया है। यह पूरा वाक्या कोप्पल स्थित मियापुरा गांव का है। इस महीने की शुरुआत में एक दलित व्यक्ति का ४ साल का बेटा अपने जन्मदिन पर भगवान का आशीर्वाद लेने के लिए मंदिर गया था, जिसके बाद पूरा बवाल मच गया। हालांकि तहसीलदार सिद्धेश ने बताया कि बाद में गांव के बुजुर्गों ने माफी मांगी और कहा कि यह गलतफहमी की वजह से हुआ है। पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों को हिरासत में लिया है। दलित परिवार पर कुल ३५ हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया था, जिनमें से २५,००० रुपए जुर्माना की राशि थी और शेष १०,००० रुपए का भुगतान मंदिर की साफ-सफाई के

लिए करने को कहा गया था। पुलिस ने बताया कि चन्नादासर समुदाय से ताल्लुक रखने वाले दलित इस मामले में कोई केस नहीं दर्ज करवाना चाहते थे, क्योंकि उनका कहना था कि इस कदम से गांव में लोगों से रिश्ते बिगड़ जाएंगे।

जन्मदिन के दिन पूजा करने गया था बच्चा

बच्चे के परिवार ने ४ सितंबर को उसके जन्मदिन की पूजा करने के लिए मंदिर का रुख किया था. गांव के एक युवक ने बताया, 'जब उसके पिता प्रार्थना कर रहे थे, तभी लड़का मंदिर की ओर चला गया. इस घटना के बाद उच्च जाति के लोगों ने ११ सितंबर को एक बैठक की और मंदिर को शुद्ध करने के उद्देश्य से हवन करने के लिए दलित पर २५,००० रुपए का जुर्माना लगाया।' चन्नादासर समुदाय के सदस्यों ने इसके बाद पुलिस से संपर्क किया और जुर्माना लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

पुलिस ने उच्च जाति के लोगों को दी चेतावनी

अधिकारियों ने दलित बच्चे के माता-पिता पर आरोप लगाने के लिए उच्च जाति के लोगों को चेतावनी दी और कहा कि अगर वो ऐसा दोबारा करते हैं तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी. कोप्पल के पुलिस अधीक्षक टी. श्रीधर ने बताया कि उन्होंने घटनास्थल का दौरा किया. दोषियों को चेतावनी दी गई है। उन्होंने बच्चे के पिता से माफी भी मांगी. पुलिस पीड़ित दलित परिवार से शिकायत दर्ज कराने की अपील करने के लिए उनके घर गई थी। हालांकि पड़ोस के बुजुर्गों ने कार्रवाई नहीं करने का फैसला किया क्योंकि इससे लोगों के बीच दुश्मनी पैदा हो सकती है।

कुछ लोगों ने लिया पुजारी का पक्ष

ऊंची जाति के कुछ और लोगों ने पुजारी का पक्ष लिया और एक बैठक बुलाई गई जिसमें उन्होंने मंदिर के 'शुद्धिकरण' के खर्च के लिए २५,००० रुपए मांगे। हालांकि, ऊंची जाति के अन्य ग्रामीणों ने इस कदम को 'कठोर' बताते हुए इसका विरोध किया। इस प्रकरण से गांव में एक बहस शुरू हो गई और यह कुशतागी पुलिस के संज्ञान में आया। चंद्रशेखर का परिवार ऊंची जाति के लोगों की नाराजगी के डर से पुलिस में शिकायत करने से डर रहा था। कोप्पल जिले की चेन्नादासर महासभा के कुछ सदस्य भी गांव में गए और बैठकें की जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया।

मंदिर के 'शुद्धिकरण' के लिए जुर्माना मांगने के आरोप में ५ लोग गिरफ्तार

कर्नाटक में कोप्पल जिले के मियापुर गांव में हनुमान मंदिर के 'शुद्धिकरण' के लिए एक दलित परिवार से दंड स्वरूप २५,००० रुपए मांगने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दलित परिवार से उनके दो साल के बेटे के मंदिर में प्रवेश करने के बाद यह जुर्माना राशि मांगे जाने का आरोप है। पुलिस अधीक्षक टी श्रीधर ने बुधवार को बताया कि हमने इस मामले के संबंध में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारी ने बताया कि यह घटना चार सितंबर की है और इसका पता सोमवार को तब चला जब एक मामला दर्ज कराया गया। श्रीधर ने कहा कि दलित परिवार ने शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया था। चेन्नादासर समुदाय से ताल्लुक रखने वाला चंद्रशेखर चार सितंबर को अपने दो साल के बेटे के जन्मदिन पर उसके लिए भगवान हनुमान का आशीर्वाद लेना चाहता था। अधिकारी ने बताया कि चंद्रशेखर और उसके परिवार के सदस्य बाहर खड़े थे लेकिन बच्चा मंदिर में चला गया जिससे मंदिर का पुजारी नाराज हो गया और उसने इसे एक मुद्दा बना लिया।

ठाणे में नाबालिग से 33 लोगों ने किया दुष्कर्म, 24 गिरफ्तार

मुंबई, महाराष्ट्र में दुष्कर्म के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। अब ठाणे जिले में 15 वर्ष की एक नाबालिग से अलग-अलग समय में 33 लोगों द्वारा दुष्कर्म किए जाने की घटना सामने आई है। पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कर अब तक 24 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना कल्याण के निकट डोंबीवली की है। यहां पहली बार इसी वर्ष जनवरी के अंतिम सप्ताह में 15 वर्षीय एक लड़की से पहले उसी के पुरुष मित्र ने दुष्कर्म किया और उसका वीडियो भी बनाया। फिर यही वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देकर सितंबर तक अलग-अलग स्थानों पर कुल 33 लोगों ने उस लड़की के साथ दुष्कर्म किया। ये दुष्कर्म 29 जनवरी से 22 सितंबर के बीच डोंबीवली, बदलापुर, मुरबाड व रबाले में हुए हैं। मामले की जांच के लिए एसआइटी गठित इस दुष्कर्म कांड का खुलासा होने के बाद पुलिस ने आइपीसी की विभिन्न धाराओं के अलावा पास्को एक्ट के तहत मामला दर्ज करके पूरे मामले की जांच के लिए एसीपी सोनाली ढोले के नेतृत्व में एसआइटी का गठन कर दिया है। पीड़िता ने अपने साथ दुष्कर्म करने वाले जिन तैंतीस लोगों के नाम बताए हैं, उनमें से 24 को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। कुछ दिनों पहले ही मुंबई के साकीनाका क्षेत्र में दुष्कर्म की एक जघन्य घटना हुई थी। जिसमें दुष्कर्म के बाद आरोपित ने पीड़िता के गुप्तांगों में लोहे की राड डाल कर दरिंदगी की थी। बाद में इलाज के दौरान पीड़िता की मौत हो गई थी। पिछले कुछ दिनों में ही दुष्कर्म की कुछ और घटनाएं पुणे व औरंगाबाद में भी हो चुकी हैं। देवेंद्र फड़नवीस ने कहा, महिलाओं पर बढ़ रही हैं अत्याचार की घटनाएं विपक्षी दल भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए हुए कहा है कि यह बड़ी पीड़ादायक घटना है। मुझे यह सुनकर बहुत दुख हुआ है। महिलाओं पर अत्याचार की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। राज्य सरकार को इन पर ध्यान देना चाहिए। हम इन घटनाओं में शामिल सभी दोषियों को सख्त सजा की मांग करते हैं। दूसरी ओर, राज्य सरकार में मंत्री और कांग्रेस नेता बाला साहब थोराट ने मामले से राजनीति को दूर रखने की जरूरत बताते हुए कहा कि यह एक गंभीर घटना है। पुलिस मामला दर्ज कर कार्रवाई कर रही है।

पुलिस धमकी-क्रिकेट सट्टा अड्डे पर छापा, सटोरिया गिरफ्तार

नागपुर। गणेशपेठ के संतरा मार्केट, बजरिया इलाके में साई श्रद्धा अपार्टमेंट में चल रहे क्रिकेट सट्टा अड्डे पर पुलिस ने छापा मारा। पुलिस ने क्रिकेट सटोरिए राहुल रमेशचंद्र अग्रवाल (45) को गिरफ्तार किया है। राहुल के साथ रोहित नामक दूसरा सटोरिया भी था। अपराध शाखा पुलिस की यूनिट 3 ने कार्रवाई की। पुलिस सूत्रों के अनुसार, राहुल रमेशचंद्र अग्रवाल और रोहित नामक सटोरिए बजरिया में साई श्रद्धा अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 201 में क्रिकेट पर सट्टा खेल रहे हैं, यह जानकारी पुलिस दस्ते को मिली। पुलिस दस्ते ने फ्लैट पर छापा मारा। यहां पर सटोरिए राहुल और रोहित दुबई में खेले जा रहे आईपीएल टी-ट्वेन्टी क्रिकेट मैच में दिल्ली व हैदराबाद टीम के बीच चल रहे क्रिकेट मुकाबले को टीवी पर देखकर मोबाइल से सट्टे की लागवाडी कर रहे थे। पुलिस ने राहुल अग्रवाल को दबोच लिया। उससे टीवी, 4 मोबाइल, सट्टा-पट्टी, नकदी 2315 रुपए सहित 68 हजार 315 रुपए का माल जब्त किया। आरोपी राहुल और रोहित पर गणेशपेठ थाने में मामला दर्ज किया गया। यूनिट 3 के पुलिस निरीक्षक प्रदीप रायन्नावार, हवलदार शैलेश शेंडे, नायब सिपाही श्याम कडू, अनूप तायवाड़े, संदीप मावलकर, विशाल रोकड़े, दीपक लाखड़े ने कार्रवाई में सहयोग किया।

भाजपा नेता किरीट सोमैया ने मुंबई पुलिस व महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

मुंबई। भाजपा नेता किरीट सोमैया ने मुंबई पुलिस व महाराष्ट्र सरकार के विरुद्ध मुंबई के नवघर मुलुंड (पूर्व) थाने में शिकायत दर्ज कराई है। यह शिकायत उन्होंने खुद को कराड रेलवे स्टेशन पर हिरासत में लेने का आरोप लगाते हुए दर्ज कराई है। शिकायत दर्ज कराने के बाद सोमैया ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पुलिस ने हमें कोल्हापुर जाने से रोकने के लिए अपनी शक्तियों का गलत उपयोग किया। गणपति विसर्जन के दिन मुझे मेरे घर से निकलने से रोका गया। फिर कराड रेलवे स्टेशन पर उन्होंने मुझे ट्रेन से उतार लिया। मैंने पुलिस के इन कृत्यों के विरुद्ध मुलुंड व एमआरए मार्ग पुलिस थाने में आइपीसी की धाराओं 149, 340, 341, 342 के तहत

कानूनी नोटिस दी है। मुंबई पुलिस व महाराष्ट्र सरकार को हमसे 24 घंटे के अंदर माफी मांगनी होगी।

जानें, क्या है मामला किरीट सोमैया को दो दिन पहले कोल्हापुर जाते समयल कराड स्टेशन पर ट्रेन से उतार लिया गया था। वह राकांपा नेता व राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री हसन मुश्रिफ की कुछ संपत्तियां देखने कोल्हापुर जा रहे थे। उनकी इस यात्रा से पहले कोल्हापुर के जिलाधिकारी ने भी शहर में निषेधाज्ञा लगा दी थी। किरीट सोमैया इन दिनों राज्य की महाविकास अघाड़ी सरकार के मंत्रियों का भ्रष्टाचार उजागर करने का अभियान चला चुके हैं। हसन मुश्रिफ को मिलाकर उनकी सूची में कांग्रेस, राकांपा व शिवसेना मिलाकर 12 वरिष्ठ नेता या मंत्री शामिल हो चुके हैं। मुश्रिफ के अलावा वह परिवहन मंत्री अनिल परब, नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल, उद्धव ठाकरे के निजी सचिव मिलिंद नार्वेकर आदि के कथित भ्रष्टाचार से संबंधित मामले उजागर कर चुके हैं। अनिल परब ने तो सोमैया द्वारा लगाए गए आरोपों को गलत बताते हुए उन पर 100 करोड़ रुपये का मानहानि का मामला भी दर्ज करवा दिया है। हसन मुश्रिफ ने भी उनपर 100 करोड़ रुपये का दावा करने की धमकी दी है, लेकिन भाजपा का कहना है कि सरकार अपने मंत्रियों के भ्रष्टाचार छुपाने के लिए किरीट सोमैया को परेशान कर रही है।

बलात्कार के आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस ने लगाया हनी ट्रैप

नालासोपारा की तुलिंज पुलिस ने 16 साल की नाबालिग के साथ बलात्कार कर फरार हुए एक आरोपी को पकड़ने के लिए हनी ट्रैप का इस्तेमाल किया। तुलिंज पुलिस के आला अधिकारी से मिली जानकारी के मुताबिक सूरज सारसद नामक का आरोपी एक 16 साल की नाबालिग लड़की से बलात्कार कर फरार हो गया था। फरार सूरज सारसद को पकड़ने के लिए तुलिंज पुलिस ने पालघर और ठाणे में मुखबिरों का पूरा नेटवर्क एक्टिव कर दिया था। उसके बावजूद आरोपी पुलिस के हाथ नही लग रहा था। आरोपी पुलिस को चकमा देने के लिए अपना मोबाइल फोन बंद कर बार बार अपनी जगह बदल रहा था। जिसकी वजह से आरोपी का पता लगाने में पुलिस और मुखबिरों को काफी तकलीफ हो रही थी। चूंकि आरोपी सोशल मीडिया के माध्यम से नाबालिग लड़कियों और महिलाओं से दोस्ती कर उन्हें अपना शिकार बनाता था। इसलिए पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए अपने महिला पुलिस मित्र की मदद लेकर आरोपी से संपर्क किया। जब आरोपी महिला पुलिस मित्र से मिलने के लिए ठाणे के आनंद नगर एरिया में आया तब पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया।

मुंबईकर के लिए थोड़ी राहत

दिल्ली और अहमदाबाद की हवा देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से ज्यादा जहरीली है। मुंबई में साल भर में विभिन्न स्रोतों से 45 गिगाग्राम पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) 2.5 का उत्सर्जन हुआ, जबकि दिल्ली में 77 गिगाग्राम और अहमदाबाद में 57 गिगाग्राम पीएम 2.5 का उत्सर्जन हुआ। इसका खुलासा विशेषज्ञ-समीक्षित (पियर रिव्यूड) अंतर्राष्ट्रीय जर्नल इल्सेवियर में प्रकाशित रिसर्च रिपोर्ट से हुआ है। अर्थ एंड साइंस मिनिस्ट्री के अंतर्गत चलने वाले सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फॉरकास्टिंग एंड रिसर्च (सफर) प्रोजेक्ट के संस्थापक निदेशक डॉ. गुफरान बेग ने बताया कि भारत में अभी तक मौजूदा वक्त में किसी स्थान पर कितना वायु प्रदूषण है। इसकी जानकारी देने का सिस्टम था। परंतु एक-दो या तीन दिन बाद का पूर्वानुमान बताने का कोई अधिकृत फ्रेमवर्क देश में मौजूद नहीं था। भारत में वायु प्रदूषण के खतरे का अंदाजा इसी से लिया जा सकता है कि यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की इनर्जी पॉलिसी इंस्टिट्यूट में एयर क्वालिटी लाइफ इंडेक्स (एक्यूएलआई) -2019 की रिपोर्ट प्रकाशित हुई। जिसमें वायु प्रदूषण की वजह से 40 फीसदी भारतीय नागरिकों की आयु 9 वर्ष कम होने की खतरे की आशंका जताई गई थी। 3 दिनों का वायु प्रदूषण का पूर्वानुमान जारी करने में सक्षम हुआ भारत

डॉ. बेग बताते हैं कि इसी वजह से सफर ने दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद और पुणे जैसे चार मेट्रो शहरों में वायु प्रदूषण के स्तर की जानकारी इकट्ठा करने का एक मॉडल तैयार किया। चूंकि अब इस मॉडल की रिसर्च रिपोर्ट प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय जर्नल इल्सेवियर में प्रकाशित हुई है। लिहाजा भारत भी ज्यादा से ज्यादा तीन दिन तक वायु प्रदूषण का पूर्वानुमान जारी करने में सक्षम हो गया है। गौरतलब है कि हवा में पीएम 2.5 का होना इसलिए घातक है क्योंकि इससे फेफड़ों से सबंधित बिमारी होती है। किस शहर में हुआ किसका उत्सर्जन ज्यादा सफर की रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली में ट्रांसपोर्ट की वजह से सबसे अधिक 41 फीसदी पीएम 2.5 का उत्सर्जन होता है। जबकि मुंबई में इस स्रोत से 31 फीसदी, अहमदाबाद में 35 फीसदी और पुणे में 40 फीसदी पीएम 2.5 का उत्सर्जन होता है। मुंबई के स्लम इलाकों में खुले में कचरा व अन्य चीजों को जलाए जाने की वजह से बायो फ्यूल प्रदूषण में पीएम 2.5 का प्रमाण अधिक है। मुंबई के 15 फीसदी बायो फ्यूल प्रदूषण, दिल्ली के 3 फीसदी, अहमदाबाद के 10 फीसदी और पुणे के 11 फीसदी में पीएम 2.5 का प्रमाण पाया गया है।

मां-बेटी के पास मिली 25 करोड़ रुपये की ड्रग्स

मुंबई, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम विभाग ने बुधवार को मां-बेटी को ड्रग्स तस्करी में गिरफ्तार किया है। दोनों विदेशी हैं। दोनों के पास करीब 5 किलो हेरोइन जब्त की गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 25 करोड़ रुपये है। ये दोनों मां-बेटी फेफड़ों के कैंसर के इलाज के नाम पर भारत आई थीं और ड्रग्स को बैग में छुपा कर लाई थीं। दोनों आरोपियों को गिरफ्तारी के बाद कोर्ट में पेश किया गया। अदालत ने उन्हें 14 दिन की हिरासत में भेज दिया है। दोनों कतर एयरलाइंस के जरिये जोहानसबर्ग से मुंबई आई थीं। यह ड्रग्स वे किसको देने वाली थीं, इसकी जांच की जा रही है। पूछताछ में पता चला कि जिसने उन्हें यह ड्रग्स दी, उसने उन्हें 5 हजार डॉलर प्रति ट्रिप का वादा किया था। हाल के सालों में मुंबई में एक दिन में इतनी ज्यादा कीमत की ड्रग्स पहली बार पकड़ी गई है। कुछ दिनों पहले गुजरात के मुंद्रा एयरपोर्ट पर भी दो कंटेनर में से करीब 3 हजार किलो हेरोइन पकड़ी थी।

राज्य का भविष्य अंधेर में! धीरे-धीरे बिजली संकट की ओर बढ़ा रहा है महाराष्ट्र

मुंबई, देश का अग्रणी औद्योगिक राज्य महाराष्ट्र बिजली संकट की ओर धीरे-धीरे बढ़ा रहा है। अगस्त 2021 तक बिजली का बकाया बिल 74,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। बकाया बिलों की वसूली नहीं होने से बिजली की आपूर्ति करने वाली सरकारी कंपनी महावितरण बहुत बुरे दौर से गुजर रही है। हालत इतनी खराब है कि बिजली का प्लांट चलाने के लिए उसके पास कोयले की कमी हो गई है। कंपनी ने साफ कहा है कि सरकार ने अगर आर्थिक मदद नहीं की, तो पूरे राज्य की बत्ती गुल हो सकती है। इस संकट के लिए ऊर्जा मंत्री नितिन राउत पिछली फडणवीस सरकार को दोषी ठहराते हैं। उनका आरोप है कि पिछली सरकार ने बिलों की वसूली नहीं की, जिससे आज महाराष्ट्र के सामने यह संकट खड़ा हो गया है। महावितरण ने एक प्रजेंटेशन देकर साफ किया है कि उनकी आर्थिक सेहत खराब हो चुकी है। बिजली का बकाया 74,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। बिजली के बिलों की वसूली के लिए जब उनके लोग मैदान में उतरते हैं, तो सरकार की ओर से रोक दिया जाता है। अब उनके सामने दो पर्याय हैं- एक, बकाया बिलों की वसूली को गति मिले और दूसरा, सरकार आर्थिक मदद करे। हालत इतनी खराब है कि प्लांट चलाने के लिए पैसा नहीं है। बिजली के बकाया बिल में सबसे पहले नंबर पर कृषि क्षेत्र है, जिस पर 49,575 करोड़ रुपये बकाया है। चुनिंदा उद्योगपतियों पर मेहरबानी! एक तरफ राज्य का उर्जा विभाग बड़े आर्थिक संकट से जूझ रहा है, तो दूसरी ओर विदर्भ, मराठवाडा और पिछड़े जिलों के उद्योगपतियों पर ऊर्जा विभाग मेहरबान है। उस क्षेत्र के उद्योगों को दी जा रही सब्सिडी सरकार ने इसलिए रोक दी थी कि कई खामियां थीं। खामियों को दूर करने के लिए ऊर्जा विभाग ने 7 सदस्यीय समिति का गठन किया था।

बिजली काटने पहुंचे अभियंता को डंडा लेकर मारने दौड़े

नागपुर। मोमिनपुरा के अंसारनगर में बिजली की लाइन काटने से नाराज बकाएदार उपभोक्ता के दो रिश्तेदार डंडा व वाहन का साइलेंसर लेकर बिजली अभियंता को मारने दौड़े। सूचना के बावजूद अनदेखी : महावितरण के मेयो वितरण केंद्र का स्टाफ पुलिस बंदोबस्त में मोमिनपुरा के अंसारनगर में बिल वसूली के लिए पहुंचा। हफीज मो. खलील अहमद पर 94370 रुपए बिजली बिल बकाया है और बिल के भुगतान के लिए कई बार सूचना दी गई। बिजली कर्मियों ने हफीज मो. के घर की लाइन काट दी। इससे तिलमिलाए शब्बीर अहमद व मो. साबिर डंडा व वाहन का साइलेंसर लेकर सहायक अभियंता शाहरुख तुरक पर दौड़ पड़े। महावितरण के वाहन को भी क्षति पहुंचाने का प्रयास करते हुए अभियंता व स्टाफ को देख लेने की धमकी दी। स्टाफ को गंदी-गंदी गालियां दी। देखते ही देखते काफी लोग जमा हो गए।

पुलिस ने बीच-बचाव कर शब्बीर व मो. साबिर को शांत करने का प्रयास किया, लेकिन दोनों फिर से लाइन जोड़ने बात करते रहे। अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया : माहौल गरमाता देख अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। भारी पुलिस बल पहुंचने पर दोनों वहां से निकल गए। भीड़ भी छंट गई। महावितरण ने अंसारनगर व भानखेड़ा में कार्रवाई करते हुए 22 बकाएदारों की लाइन काट दी। इन पर 6 लाख 25 हजार का बिल बकाया है। इसी तरह 81 बकाएदारों से 5 लाख 77 हजार के बिल की वसूली की गई। इस बीच सहायक अभियंता शाहरुख तुरक की शिकायत पर तहसील पुलिस ने मामला दर्ज किया।

अपने जीवन का मूल्य बढ़ाने की दिशा में परिवर्तन

हम अपना जीवन जीने का तरीका चुन सकते हैं, या तो हम किसी अन्य सामान्य व्यक्ति की तरह जीते हैं, या किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की तरह। चुनाव हम पर निर्भर करता है कि हम अपने जीवन का अधिकतम लाभ उठाएं और अगली पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनें या सिर्फ "आम आदमी" का शीर्षक रखना पसंद करें। जबकि हम में से अधिकांश लोगों की जीवन में आकांक्षाएं होती हैं, हम में से बहुत कम लोग उस स्थान तक पहुंचते हैं जहां हम चाहते हैं और बाकी या तो इसे चुनौतीपूर्ण पाते हैं और यहां तक कि शुरुआत करने से पहले छोड़ भी देते हैं। हमें क्या रोक रहा है?

हम दुनिया की अधिकांश प्रसिद्ध हस्तियों की तरह जीवन में उपलब्धियां क्यों नहीं प्राप्त कर सकते हैं? हम कैसे अलग हैं और हमें क्या करना चाहिए? भाग्य पक्षपात में विश्वास नहीं करता। बड़े सपने देखना अच्छी बात है लेकिन बिना उसकी ओर बढ़े कोई परिणाम नहीं होगा। हम जो करते हैं वह हमारे जीवन में सबसे ज्यादा मायने रखता है। हमारे हर कार्य का एक मूल्य होना चाहिए। हमारा हर विचार उत्पादकता और सुधार की ओर होना चाहिए। हर आदत जो हम अपने भीतर पैदा करते हैं, वह हमें हमारे सपनों के करीब ले जाती है।एक साधारण से प्रसिद्ध व्यक्ति में परिवर्तन कितना कठिन है? यह किसी के अपने दृढ़ संकल्प और आत्म-विश्वास पर निर्भर करता है। सभी महान नेताओं, उद्यमियों और कलाकारों ने सफलता प्राप्त करने के लिए कुछ भी जटिल नहीं किया है लेकिन उनकी दैनिक आदत के संचयी प्रभाव ने उन्हें असाधारण बना दिया है। आइए समझते हैं कि हम अपने जीवन का मूल्य कैसे बढ़ा सकते हैं। आपके सपनों की यात्रा के लिए नीचे दिए गए निष्कर्षों पर केवल प्रतिबद्धता और समर्पण की आवश्यकता होगी। आत्म-विश्वास: "हाँ मैं यह कर सकता हूँ"। हमें अपने सपनों के मार्ग में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है और हम हार भी सकते हैं। समाधान खोजने के प्रति आपका दृष्टिकोण यहां महत्व रखता है। आप जो चाहते हैं उस तक पहुँचने में अपने विचार प्रक्रिया का निवेश करें। जब आप चौराहे पर होते हैं तो अपरंपरागत सोच मदद करती है। अपरंपरागत सोच वाले व्यक्ति से मदद मांगने में निराशा नहीं होनी चाहिए। याद रखें, समाधान खोजना आगे बढ़ने के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज है। उत्पादक सोच: यह सोचना आपका काम नहीं है कि दूसरे आपके बारे में क्या सोचते हैं। अपनी हर उस विचार प्रक्रिया का निवेश करें जो आपको आपके सपनों के करीब ले जाए। किसी के विचारों से निराश होना घातक सिद्ध होगा। आपके विचार नकारात्मकता को छोड़कर उत्पादकता की ओर बढ़ने चाहिए। समय का सदुपयोग पैसे के साथ-साथ आप अपने प्रयासों को भी निवेश कर रहे हैं। समय के पंख नहीं होते और यह कभी उड़ता नहीं है। धन हानि की पूर्ति की जा सकती है लेकिन समय कभी वापस नहीं आता। इसमें शामिल हर कार्य को प्राथमिकता दें। सब कुछ स्वयं करने की कोशिश न करें, दूसरों को ऐसे कार्य सौंपें जो बहुत अधिक महत्व या प्राथमिकता के न हों क्योंकि यह समय को अच्छी तरह से प्रबंधित करने में सहायता करेगा। किसी विशेष गतिविधि को निष्पादित करने में लगने वाले समय की गणना करें। समय के संदर्भ में समग्र परियोजना माप इसकी सफलता प्राप्त करने में एक महत्वपूर्ण चीज है। किसी भी तदर्थ स्थिति के लिए कुछ समय बफर रखें। अंत में याद रखें "नकारात्मक सोच समय की बर्बादी है"। ध्यान केंद्रित रहना अनुत्पादकता से दूर रहें, यह अवसर के रूप में भी आ सकता है। ऐसा अक्सर होता है कि किसी विचार या कार्य के निरंतर निष्पादन के बीच में हमें कोई अन्य अवसर मिल सकता है। दो अलग-अलग नावों में यात्रा करने से कोई लाभ नहीं होगा। दोनों सिरों पर हारने की संभावना अधिक होती है। अनुत्पादकता फिर से किसी भी प्रकार की हो सकती है, बस अपने आप को केंद्रित रखें और बाधाओं से दूर रहें। अपने विचारों को क्रियान्वित करना योजना शुरुआत है, और अपनी योजनाओं और विचारों को क्रियान्वित करना एक यात्रा की शुरुआत है। सिर्फ बात करने में समय बर्बाद मत करो। एक बार योजना बनाने के बाद निष्पादन शुरू करें। कौन क्या, कब और कैसे करेगा, इस पर स्पष्टता रखें। अपनी समग्र योजना को चरणबद्ध करें। जानकारी और गतिविधि के हर टुकड़े को व्यवस्थित करें। सुनिश्चित करें कि कुछ भी ओवरलैप या छूटा नहीं है। एक अच्छी तरह से क्रियान्वित विचार ही सफलता की ओर ले जा सकता है क्योंकि स्वागत के लिए हमेशा अराजकता होती है। वैकल्पिक योजनाएं हों बैक अप प्लान या प्लान बी का होना जरूरी है। बाढ़ शुरू होने से पहले आपको जहाज बनाने की जरूरत है। यह तत्परता किसी भी स्थिति में सहायक हो सकती है और यह सुनिश्चित करेगी कि हम केंद्रित रहें और आगे बढ़ें। कुछ समय खुद को दें अतिशयोक्ति न करें, अपने मन और शरीर को कुछ समय दें। एक ताजा दिमाग थके हुए की तुलना में बहुत तेजी से सोच सकता है। नियमित ब्रेक लें और अपने लिए खाली समय निकालें। मनोरंजन कभी-कभी मन की आवश्यकता हो सकती है, बस इसे ज़्यादा न करें। दृढ़ता अच्छी तरह से भुगतान करती है। डॉ. अब्दुल कलाम एक गरीब परिवार से ताल्लुक रखते थे और अपनी अधिकांश पढ़ाई लैम्प पोस्ट के नीचे करते थे। वॉल्ट डिज़नी वर्ल्ड बनाने के अपने सपने के लिए अंततः वित्तपोषण प्राप्त करने से पहले वॉल्ट डिज़नी को 302 बार ठुकरा दिया गया था। केएफसी के संस्थापक कर्नल सैंडर्स को उनकी चिकन रेसिपी के लिए एक खरीदार खोजने से पहले 1009 बार खारिज कर दिया गया था। सभी बाधाओं और निराशाओं को दरकिनार करते हुए वे तब तक आगे बढ़ते रहे जब तक कि उन्हें वह नहीं मिल गया जो वे चाहते थे। किसी भी समय निराशा को स्वीकार न करें। जब तक आप जो चाहते हैं उसे प्राप्त न करें तब तक आगे बढ़ते रहें। याद रखें कि आप भी एक इंसान के रूप में पैदा हुए हैं, जिसमें पृथ्वी पर किसी भी अन्य इंसान की तरह सोचने और बात करने की क्षमता है।

किसान योजना-क्या होगा अगर पति-पत्नी ने एक साथ कर दिया अप्लाई? जानिए सरकार का नियम

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना एक सरकारी योजना है, जिसकी 100 फीसदी फंडिंग केंद्र सरकार करती है। इस योजना के तहत किसानों को सालाना किस्तों में छह हजार रुपये दिए जाते हैं, यानी सरकार द्वारा हर चार महीने पर 2000 रुपये की किश्त जारी की जाती है। अब कहा जा रहा है कि सरकार योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक मदद को दोगुना करने पर विचार कर रही है, यानी सालाना 12 हजार रुपये यानी दो हजार के स्थान पर किसानों को हर चार महीने पर चार हजार रुपये मिल सकते हैं। फिलहाल देशभर में इस योजना का लाभ उठाने वाले किसानों की संख्या 12 करोड़ से भी अधिक है, लेकिन अभी भी बहुत से ऐसे जरूरतमंद किसान हैं, जिन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिल पाया है। दरअसल, इस किसान योजना के लिए सरकार की ओर से कुछ शर्तें निर्धारित की गई हैं, जिसके आधार पर यह तय होता है कि इसका लाभ किसे मिलेगा और किसे नहीं। आइए जानते हैं इसके बारे में... क्या होगा अगर पति-पत्नी ने एक साथ कर दिया अप्लाई? कई किसानों के मन में ये सवाल उठता होगा कि अगर पति-पत्नी ने किसान योजना के लिए एक साथ अप्लाई कर दिया, तो क्या होगा? दोनों को योजना का लाभ मिलेगा या नहीं? तो इस योजना के नियमों के मुताबिक, एक समय पर पति-पत्नी दोनों को इस योजना का लाभ नहीं मिल सकता। पति-पत्नी दोनों को क्यों नहीं मिल सकता योजना का लाभ? किसान योजना के नियमों के मुताबिक, एक परिवार में एक ही सदस्य को इस योजना का लाभ मिल सकता है। यहां ध्यान देने वाली बात ये है कि भारत में परिवार का मतलब पति-पत्नी और बच्चे होते हैं। क्या होगा अगर पति-पत्नी दोनों उठा रहे हैं योजना का लाभ? योजना से जुड़ा नियम कहता है कि अगर किसी परिवार में पति-पत्नी दोनों को ही किसान योजना की किश्त मिल रही है, तो पता चलने पर इसे रिकवर किया जा सकता है। अगर यह सरकार की नजर में आता है तो पैसों की रिकवरी की जा सकती है और साथ ही एक लाभार्थी को सूची से बाहर भी कर दिया जाएगा। कैसे उठा सकते हैं किसान योजना का लाभ? अगर आप किसान हैं और इस योजना का लाभ उठाना चाहते हैं तो आपको रजिस्ट्रेशन कराना होगा, जिसकी प्रक्रिया बेहद ही आसान है। आप पंचायत सचिव या पटवारी या स्थानीय कॉमन सर्विस सेंटर यानी सीएससी के जरिये इस योजना के लिए अप्लाई कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो खुद से भी इसके लिए रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

काम की बात-व्हाट्सएप से भी कर सकते हैं कोरोना वैक्सीन का स्लॉट बुक, जान लीजिए पूरा प्रोसेस

देशभर में कोरोना महामारी के खिलाफ चल रहे टीकाकरण अभियान के तहत अब तक 83 करोड़ 39 लाख से अधिक कोविड रोधी टीके लगाए जा चुके हैं। वैसे तो वैक्सीन लेने के लिए अब पहले से रजिस्ट्रेशन कराने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन वैक्सीनेशन सेंटर पर भीड़ को ध्यान में रखते हुए ऐसा कहा जा रहा है कि पहले से स्लॉट बुक कर लेंगे तो कोई दिक्कत नहीं होगी। आप आराम से सेंटर पर जाकर टीका ले सकते हैं और भीड़ से भी बचे रहेंगे। कोविन पोर्टल पर अब तक करोड़ों लोग रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं और स्लॉट बुक करके वैक्सीन लगवा चुके हैं। आप चाहें तो इंस्टैंट मैसेजिंग एप व्हाट्सएप की मदद से भी वैक्सीनेशन के लिए स्लॉट बुक कर सकते हैं। इसके लिए आपको बेहद ही आसान से प्रोसेस को फॉलो करना है। चलिए जानते हैं कि व्हाट्सएप से कैसे वैक्सीन के लिए स्लॉट बुक किया जा सकता है?

व्हाट्सएप से कैसे करें वैक्सीन का स्लॉट बुक? सबसे पहले तो अपने मोबाइल फोन में MyGovIndia कोरोना हेल्पडेस्क के नंबर +91-9013151515 को सेव कर लें। अब इस नंबर पर व्हाट्सएप से Book slot लिखकर भेजें। अब आपके पास एसएमएस के माध्यम से छह अंकों का एक ओटीपी आया होगा, उसे एंटर करें। अब आप अपनी सहूलियत के हिसाब से तारीख, जगह, पिन कोड और वैक्सीनेशन का प्रकार चुन सकते हैं। इसके बाद आपके पास बुकिंग मैसेज आ जाएगा। पेटीएम से भी बुक कर सकते हैं स्लॉटि डिजिटल पेमेंट सिस्टम पेटीएम ने भी स्लॉट बुकिंग की सुविधा दी हुई है। अगर आपके पास पेटीएम एप नहीं है तो डाउनलोड कर लें और अगर एप पहले से है, लेकिन अपडेट नहीं है तो उसे अपडेट कर लें। अब आप पेटीएम ओपन करके सर्च बार में कोविन टाइप करें। फिर सर्च रिजल्ट में आ रहे कोविड-19 वैक्सीन पर क्लिक करें। अब Check availablity पर क्लिक करें। इसके बाद अपना मोबाइल नंबर रजिस्टर करें और कंटीन्यू पर क्लिक कर आगे बढ़ें। फिर आपके नंबर पर एक ओटीपी आएगा, उसका इस्तेमाल कर आप वैक्सीन की उपलब्धता चेक कर सकते हैं और स्लॉट खाली होने पर बुक भी कर सकते हैं। कोविन पोर्टल से कैसे बुक करें स्लॉट? कोविन पोर्टल पर वैक्सीन का स्लॉट बुक करने के लिए आप अपने मोबाइल, टैबलेट, लैपटॉप या कंप्यूटर में इंटरनेट ब्राउजर को ओपेन करें और बुक योर स्लॉट्स पर क्लिक करें। अब आपसे जो जानकारी मांगी जाए, वो दे दें और अपने हिसाब से तारीख और समय सेट कर स्लॉट बुक कर लें।

आज का योग-झड़ते बालों से हैं परेशान तो रोजाना करें ये योगासन, बाल बनेंगे घने, लंबे और चमकदार

आज के समय में बिगड़ती दिनचर्या और अनुचित खान-पान की वजह से शरीर को उचित पोषण नहीं मिल पाता है। परिणाम स्वरुप कई तरह की परेशानियां होने लगती हैं। बालों के झड़ने, बेजान होने के पीछे का कारण भी शरीर में पोषक तत्वों की कमी होती है। इसके अलावा काम के बढ़ते तनाव की वजह से भी बाल झड़ने लगते हैं। लोग अपने झड़ते बालों को रोकने के लिए घरेलू उपचार से लेकर कई तरह के महंगे उत्पादों का भी इस्तेमाल करते हैं।

आजकल लोग शरीर को फिट रखने के लिए तो योग करते हैं लेकिन जब बात बालों और त्वचा की आती है तो वे इसपर ध्यान नहीं देते हैं। अगर आप भी ऐसा ही सोचते हैं तो आपको बता दें कि योग करने से शरीर को ही नहीं बल्कि आपके बालों और त्वचा को भी बहुत फायदे मिलते हैं। अगर आप झड़ते और कमजोर बालों से परेशान हैं तो कुछ योगासन करके आप इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं इसके साथ ही आपके बाल घने, लंबे और चमकदार भी बनते हैं तो चलिए जानते हैं इन योगासन के बारे में। शीर्षासनइस आसन को करने से आपके सिर की ओर रक्त प्रवाह बेहतर तरीके से होता है। इससे आपको तनाव दूर करने में सहायता तो मिलती ही है इसके साथ ही आपके बालों की ग्रोथ भी अच्छी होती है।

आपकों झड़ते और बेजान बालों से छुटकारा मिलता है। यही नहीं यह आसन करने से असमय सफेद हो रहे बालों की समस्या भी दूर होती है। अगर आप बालों की समस्या से परेशान हैं तो शीर्षासन कर सकते हैं।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : कार्यों में अस्थिरता रहेगी। किसी काम में मन नहीं लगेगा। बेवजह की उलझनें पैदा होंगी। पैसों की तंगी रहने के कारण मन विचलित रहेगा। सप्ताह के अंतिम तीन दिनों में कोई शुभ समाचार मिल सकता है। मानसिक शांति महसूस होगी। कार्यों में तेजी का माहौल बनने लगेगा। पारिवारिक जीवन में किसी का सहयोग प्राप्त रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

वृषभ : किसी कार्य के अटक जाने से मन खराब रहेगा। परिवार में किसी से विवाद हो सकता है। किसी काम में मन नहीं लगेगा। सप्ताह की शुरुआत में पैसों की जरूरत लग सकती है। यात्राएं करनी पड़ेंगी। कार्यस्थल पर किसी से विवाद हो सकता है। उच्चाधिकारी आपके काम से अप्रसन्न रहेंगे। अधीनस्थों से भी मनमुटाव रहेगा।

मिथुन : यात्राओं और पारिवारिक समागम में समय बीतेगा। किसी की बात दिल को चोट पहुंचा सकती है। मौका मिले तो थोड़ा वक्त गुरुजनों के सान्निध्य में बिताएं। अपनी बात मनवाने के लिए किसी पर दबाव न डालें वरना विवाद हो सकता है। परिवार में महत्व कम मिलेगा। शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खानपान नियंत्रित रखें।

कर्क : सप्ताह में मानसिक परेशानियां बार-बार आएंगी। मन विचलित रहेगा। संबंधों को लेकर सजग रहें। किसी की बात बुरी लग सकती है जिससे क्रोध आएगा। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। वाहन-मशीनरी का प्रयोग करते समय सावधानी रखें। पैसों की आवक होगी लेकिन खर्च भी अधिक होगा। कार्यक्षेत्र में सामान्य स्थितियां रहेंगी।

सिंह : अपने क्रोध और वाणी को संयमित रखें। किसी की कोई बात बुरी भी लगे तो शांत रहें और कारण समझने का प्रयास करें। कष्ट का समय बीत चुका है, इसलिए जो होगा अच्छे के लिए ही होगा। आर्थिक स्थितियां नियंत्रित रहेंगी। पैसा आएगा और बचत की संभावनाएं भी बनेंगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। देर रात बाहर घूमना-फिरना बंद करें।

कन्या : अपने दिमाग को शांत रखें। सामने वाले की बात को समझने का प्रयास करें, वरना परेशानी आपको ही आएगी। मानसिक स्थिति गड़बड़ाएगी तो शांत रहें। कार्यक्षेत्र में महत्व कम मिलने से परेशान रहेंगे। परिवार में किसी से विवाद संभव है। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अत्यधिक तनाव लेना स्वयं को परेशानी में डाल सकता है।

तुला : पिछले दिनों से चली आ रही मानसिक परेशानियां इस सप्ताह और बढ़ सकती हैं। परिवार में किसी को शारीरिक कष्ट, चोट की आशंका है। पैसों की कमी महसूस होगी। कार्यक्षेत्र में भी बदलाव संभव है। अधिकारी वर्ग से मनमुटाव हो सकता है। अपनी जीवनशैली को नियंत्रित और संयमित रखें। पारिवारिक स्थितियां बिगड़ सकती ।

वृश्चिक : सप्ताह थोड़ा तनावभरा रहेगा। कार्य की अधिकता रहेगी। परिवार में भी अचानक कोई घटना होने से मन खिन्न रहेगा। पैसों की तंगी रहेगी। पैसा आएगा लेकिन बचत के नाम पर जीरो रहेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। कार्यस्थल पर सतर्क रहें कोई आपको नुकसान पहुंचा सकता है।

धनु : आप परेशान हैं तो दूसरों को परेशान न करें। अपना काम स्वयं करने की आदत डालें। दूसरों में अपनी खुशियां तलाशेंगे तो कभी नहीं मिल पाएगी। इस सप्ताह करियर की दिशा बिलकुल सही रहेगी। तरक्की मिलेगी। कार्यक्षेत्र में बदलाव भी संभव है। पारिवारिक स्थितियां नियंत्रित रहेंगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मकर : सप्ताह का प्रारंभ अच्छा होगा। पारिवारिक मेलजोल बढ़ेगा। महत्व, सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। कार्यस्थल पर उच्चाधिकारी और अधीनस्थों का पूर्ण सहयोग मिलेगा। परिवार में जीवनसाथी के साथ मतभेद हो सकता है। किसी बात पर एकराय नहीं होने से विवाद होगा। स्वयं के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी।

कुंभ : कार्य की अधिकता से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। अत्यधिक तनाव लेने से नई परेशानियां खड़ी हो जाएंगी इसलिए शांत रहें। कार्य स्थल पर बात को महत्व नहीं मिलने से नाराज रहेंगे। सामाजिक और पारिवारिक जीवन में प्रतिष्ठा को आघात पहुंच सकता है। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। किसी बात का बुरा लगेगा।

मीन : जब तक जरूरी नहीं हो किसी के निजी जीवन में दखल न दें। अपनी राय दें लेकिन उसे थोपने का प्रयास न करें, वरना सम्मान खो देंगे। पारिवारिक विवाद हो सकता है इसलिए बेहतर होगा किशांत ही रहें। मुश्किल वक्त है इसलिए पैसों की बचत करने की आदत डालें, बाद में काम आएगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

चुटकुले

डाक्टर का पड़ासा बहुत बड़ा शराबा था आर खूब जमकर शराब पीता था। डॉक्टर ने उसे समझाते हुए कहा - शराब का नशा अहिस्ता-अहिस्ता इंसान को मार देता है। नशेड़ी मुस्कुराते हुए जवाब दिया - डॉक्टर साहब मुझे कौन सा मरने की जल्दी है।

भाभी जी समोसे को खोलकर अंदर का मसाला खा रही थी।
देवर ने पूछा - आप पूरा समोसा क्यों नहीं खा रहीं?
भाभी जी बोली - मैं बीमार हूं डॉक्टर ने बाहर की चीज खाने से मना किया हुआ है।

गेट खोलते ही...
रिंकी- आज मेरी शादी है... अब क्यों आए हो मेरी जिंदगी में वापिस?
गोलू- गुलाब के फूल कहां रखने हैं?
काम धंधा भी छोड़ दें क्या?

बेघर निवारा केन्द्रों में अनियमितता, 46 लाख की लूट

नागपुर। शहर में बेघरों के लिए मनपा ने 5 बेघर निवारा केंद्र बनाए हैं। इन केंद्रों में सालाना 220 लोगों की व्यवस्था के हिसाब से 46 लाख रुपए मंजूर किए गए हैं। यह आंकड़े सिर्फ कागजों पर ही देखने में ठीक हैं। कागजों पर डिप्टी सिग्नल, साखरकरवाड़ी स्थित गुरुघासीदास समाज भवन में रोजाना 10 बेघरों के रुकने की जानकारी दर्ज है। हकीकत कुछ और है। वहां कोई बेघर नहीं है। स्थानीय लोग ही वहां बेघर बनकर रहते हैं। रात में असामाजिक तत्वों का डेरा रहता है। रात में शराबी जाम टकराते हैं। विशेष यह कि मनपा ने इस केंद्र पर बेघरों की व्यवस्था करने के नाम पर 7.59 लाख रुपए खर्च दिखा दिए। शिकायत मिली तो जांच हुई। जांच में वहां कोई बेघर नहीं होने की जानकारी पुख्ता हुई। इसके बाद अब डिप्टी सिग्नल स्थित इस बेघर निवारा केंद्र को ही बंद करने का निर्णय लिया है। इस केंद्र को बंद कर दूसरी जगह स्थानांतरित किया जाएगा। इसी तरह के हाल शहर के अन्य बेघर निवारा केंद्रों के हैं, जहां अनियमितताओं की बड़ी फेहरिस्त है।

व्यवस्था नि:शुल्क पर कर रहे वसूली

शहर के मध्य स्थित एक केंद्र में बाहर से आकर रुकने वालों से वसूली करने के मामले सामने आए हैं। अ.भा. ग्राहक कल्याण परिषद के महासचिव देवेंद्र तिवारी के पास पिछले दिन दो व्यक्ति बाहर से आए थे। मेडिकल में अपने परिजन को भर्ती कराने के लिए यवतमाल से रामभाऊ नानोटकर और सिंधेवाही से गिरधारी सिंह बैस पहुंचे थे। इनके पास रात में रुकने का कोई ठिकाना नहीं था। इसलिए तिवारी ने उन्हें सीताबर्डी स्थिति निवारा केंद्र में रुकने के लिए भेजा था। नि:शुल्क ठहरने की व्यवस्था होने के बावजूद नानोटकर और बैस दोनों से रकम वसूलने की जानकारी है।

दिखावे का निवारा सब गोलमाल

शहर के एक और छोर पर बसे निवारा केंद्र में मराठवाड़ा से आया एक व्यक्ति पिछले कुछ दिन से रुका है। नाम न छापने की शर्त पर उसने बताया कि केंद्र बस नाम का है। यहां कोई व्यवस्था नहीं है। खाने में कोई स्वाद नहीं है। मजबूरी में ही व्यक्ति ऐसा खाना खा सकता है। बिस्तर के कपड़ों की धुलाई तक नहीं होती है। दुर्गंध भरे बिस्तरों पर सोना पड़ता है। इसी तरह की कुछ केंद्र से भी शिकायतें सामने आई। वहां रात में असामाजिक तत्वों का डेरा रहता है। शराब पीने से लेकर अन्य अनैतिक गतिविधियां धड़ल्ले से होने की शिकायतें हैं।

मनपा व एनजीओ कटघरे में

ऐसी अनेक अनियमितताएं निवारा केंद्रों से सामने आ रही हैं। इस कारण निवारा केंद्रों को लेकर मनपा और एनजीओ कटघरे में खड़े हो रहे हैं। सत्तापक्ष सदस्य ही मनपा प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठा रहे हैं। वे इनकी जांच की मांग कर रहे हैं।

बेघरों को आसरा देने के लिए मनपा ने शहर में पांच बेघर निवारा केंद्रों को मजूरी दी है। खर्च कुछ प्रकार आते हैं।

गणेश मंदिर टेकड़ी उड़ानपुल, रेलवे स्टेशन के सामने 30 बेड की क्षमता के बेघर निवारा केंद्र को मंजूरी दी गई है। इस पर 9.25 लाख रुपए सालाना खर्च किए जाते हैं।

डिप्टी सिग्नल, साखरकरबाड़ी गुरुघासीदास समाज भवन में 30 बेड का निवारा केंद्र है। इसे 7.59 लाख रुपए दिए गए हैं।

इंदोरा, मठमोहल्ला स्थित वाचनालय व समाजभवन में 24 बेड को मंजूरी है। इसके लिए 9.52 लाख रुपए खर्च किए जाते हैं।

सीताबर्डी स्थित बुटी कन्या शाला सुपर मार्केट में 50 बेड क्षमता का निवारा केंद्र मंजूर है। इसके लिए 10.21 लाख रुपए खर्च हो रहे हैं।

हंसापुरी प्राथमिक मा. शाला में 100 बेड के निवारा केंद्र पर 12.91 लाख रुपए खर्च को मंजूरी दी गई है।

यह व्यवस्था चाहिए

सभी निवारा केंद्र का संचालन एनजीओ को दिया गया है। नियमानुसार, एनजीओ को उनके खाने, रहने, बिस्तरों के कपड़ों की धुलाई, निवारा की साफ-सफाई, बिजली खर्च आदि की व्यवस्था करनी है। 60 साल से अधिक उम्र के व्यक्ति या दिव्यांग व्यक्तियों को केंद्रों पर एक समय नाश्ता और दो समय का भोजन उपलब्ध कराना है।

सभी केंद्रों की जांच होगी

डिप्टी सिग्नल स्थित गुरुघासीदास समाज भवन में अनियमितता पाए जाने के बाद उसे बंद करने का निर्णय लिया गया है। उस केंद्र में कोई नहीं था। रात में शराब पीने की भी शिकायतें थीं। अब आसपास में दूसरी जगह निवारा केंद्र शुरू किया जाएगा। अन्य निवारा केंद्रों की भी जांच की जाएगी। समाज विकास विभाग के अधिकारियों को भेजकर निरीक्षण किया जाएगा। मैं खुद भी इसकी जांच करूंगा। -राजेश भगत, उपायुक्त, समाज विकास विभाग, महानगरपालिका, नागपुर

पर यह है हाल

अनियमितता : निवारा केंद्रों पर कई अनियमितता की शिकायतें। 46 लाख खर्च करने के बावजूद ढंग की सुविधा नहीं।

मजबूरी : न पौष्टिक खाना मिल पाता है और न बिस्तर के कपड़ों की धुलाई होती है। गंदगी भरे माहौल में बेघर रहने को मजबूर।

वसूली : इन केंद्रों पर बेघरों के नि:शुल्क रुकने के व्यवस्था है, लेकिन कुछ केंद्रों पर वसूली करने के मामले सामने आए हैं।

शराब और जुआ : कुछ केंद्र रात में असामाजिक तत्वों के अड्डे बन जाते हैं। शराब, जुआ चलने की जानकारी है।

मिलीभगत : शहरी निवारा केंद्रों के नाम पर मनपा अधिकारी और संस्थाओं की मिलीभगत से बड़ा खेल के आरोप लग रहे हैं।

बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार

मनपा प्रशासन ने अपने व्यक्तिगत स्वार्थ और विश्वास वाले ठेकेदार, एनजीओ को इन केंद्रों का काम आवंटित किया है। सरकार से मिलने वाली निधि का बड़े पैमाने पर गैर-व्यवहार हुआ है। कितने बेघर आए और कितने गए, प्रशासन के पास कोई रिकॉर्ड नहीं है। बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और धांधली हुई है। इसकी जांच होनी चाहिए।

एड. धर्मपाल मेश्राम, सत्तापक्ष नगरसेवक, मनपा

नरेंद्र गिरि मौत मामला-वह फोटो कहां है जिससे किया जा रहा था ब्लैकमेल? पुलिस कर रही जांच

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष और निरंजनी अखाड़ा के सचिव महंत नरेंद्र गिरि की मौत का कारण (फांसी) साफ हो गया है। अब जांच खुदकुशी की वजह पर हो रही है। यूपी पुलिस ब्लैकमेलिंग के एंगल पर तफ्तीश कर रही है।सुसाइड नोट में फोटो एडिट करने का भी जिक्र है। सवाल उठ रहा है कि आखिर वह फोटो कहां और किसके पास है। जिसका जिक्र करते हुए श्री महंत नरेंद्र गिरि ने कहा था कि वह बदनाम हो जाएंगे।श्रीमहंत ब्रह्मलीन नरेंद्र गिरि का कथित सुसाइड नोट सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वायरल हुए सुसाइड नोट में किसी फोटो के आधार पर ब्लैकमेल करने की बात कही गई थी। नरेंद्र गिरि के मोबाइल फोन से लेकर आद्या तिवारी, संदीप तिवारी समेत हिरासत में लिए गए अन्य लोगों के मोबाइल फोन यूपी पुलिस के पास हैं। पुलिस मोबाइल फोनों की लगातार जांच कर रही है।नरेंद्र गिरि मौत मामला: अखाड़े ने नकारा श्रीमहंत नरेंद्र गिरि का कथित सुसाइड नोट, कही ये बातपोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की पुष्टि तो हो गई है। अब तक जांच कर रही यूपी पुलिस ने अपनी तफ्तीश ब्लैकमेलिंग के एंगल पर शुरू की है। जिसके बाद कहा जा रहा है कि आखिर यदि कोई फोटो है। जिससे श्रीमहंत नरेंद्र गिरि को ब्लैकमेल किया जा रहा था तो वो कहां है किसके पास है। इसको लेकर आनंद गिरि से भी पुलिस पूछताछ कर चुकी है। लेकिन उसने फोटो की बात से इनकार कर दिया। नरेंद्र गिरी केस: प्रयाग में गद्दी गई तो हरिद्वार बना आनंद का ठिकाना, गुरु से मतभेद रखने वाले संतों से बढ़ाई थीं नजदीकियां कारोबारी का बेटा पहुंचा था निरंजनी अखाड़े श्रीमहंत नरेंद्र गिरि की आत्महत्या की खबर सुनने के बाद हरकी पैड़ी क्षेत्र स्थित एक प्रसिद्ध व्यापारी का पुत्र निरंजनी अखाड़े पहुंचा था। बताया जा रहा है कि श्रीमहंत से व्यापारी के

व्यक्तिगत संबंध थे। महंत नरेंद्र गिरि केस: अखाड़ों के प्रतिनिधि करेंगे नए अध्यक्ष का चयन, हरिद्वार से भी कई संत प्रबल दावेदारअखाड़ा परिषद की गोपनीय टीम कर रही जांच जानकारी के अनुसार श्रीमहंत नरेंद्र गिरि की मौत की जांच अखाड़ा परिषद ने भी शुरू कर दी है। परिषद ने एक गोपनीय टीम का गठन किया है, जो अध्यक्ष की मौत के कारणों की तलाश करेगी। अखाड़ा परिषद ने इस मामले में पांच सदस्यीय टीम बनाई है। प्रयास रहेगा कि रिपोर्ट षोडशी के दिन तक आ जाए। महंत नरेंद्र गिरि के पत्र अखाड़े के पास श्रीमहंत नरेंद्र गिरि के वायरल हुए कथित सुसाइड नोट को लेकर तरह-तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत हरिगिरि का कहना है कि बीते 35 सालों में इतना तो महंत नरेंद्र गिरि को वो भी जानते हैं कि इतना लंबा सुसाइड नोट नहीं लिख सकते हैं।उन्होंने कहा कि अखाड़े के पास दस्तखत पहचानने की डिग्री तो नहीं है। महंत नरेंद्र गिरि के तमाम पत्र भी अखाड़े के पास हैं। इससे इतना समझ आ जाएगा कि महंत नरेंद्र गिरि की हैंड राइटिंग है कि नहीं। उन्होंने कहा कि महंत नरेंद्र गिरि हमेशा पत्र लिखवाते रहे हैं, अगर वो हमेशा पत्र लिखवाते रहे तो इस बार कैसे लिखा।

ओवैसी ने मांगी सुरक्षा- लोकसभा स्पीकर को लिखा पत्र, बोले- मेरी हत्या हो सकती है

लोकसभा सांसद व एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन औवैसी ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर सुरक्षा की मांग की है। उन्होंने लिखा कि दिल्ली स्थित उनके बंगले पर हुई तोड़-फोड़ के बाद उनकी सुरक्षा को खतरा है। ऐसे में उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई जाए। साथ ही घर पर हुई तोड़-फोड़ की जांच संसद की विशेषाधिकार कमेटी को दी जाए। बता दें, मंगलवार को हिंदू सेना के कार्यकर्ताओं ने ओवैसी के 24-अशोक रोड, नई दिल्ली स्थित आवास के बाहर प्रदर्शन किया था और इसके बाद तोड़फोड़ की गई। प्रदर्शनकारियों ने ओवैसी के घर के बाहर लगी नेम प्लेट, लैंप और खिड़की का शीशा भी तोड़ दिया था। जिस समय यह हमला हुआ उस समय ओवैसी घर पर मौजूद नहीं थे। तोड़-फोड़ की सूचना के बाद पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लिया था। धारदार हथियारों से लैस थे हमलावारओवैसी ने लिखे पत्र में आरोप लगाया कि उनके घर पर हमला करने पहुंचे लोग धारदार हथियारों से लैस थे। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनकारी कुल्हाड़ी, लाठी जैसे हथियार लेकर उनके बंगले में पहुंचे थे। इस दौरान पत्थरबाजी की गई और घर में लगी नेम प्लेट को भी तोड़ दिया गया।

इंदौर में एक बार फिर कोरोना की दहशत- महू कैंट एरिया में 30 सैनिक संक्रमित, शहर में भी दो की रिपोर्ट पॉजिटिव

इंदौर में तीन महीने बाद एक बार फिर कोरोना विस्फोट हुआ है। जिले में एक दिन में यहां पर 32 संक्रमित मरीज मिले हैं,इसमें शहर के दो और महू कैंट एरिया के 30 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। ये सभी सैनिक बताए जा रहे हैं।

महू कैंट एरिया में एक दिन पहले बुधवार को पांच मरीज सामने आए थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जो सैनिक संक्रमित पाए गए हैं, वे दूसरे राज्यों से ट्रेनिंग लेकर लौटे हैं।गुरुवार रात में मिलिट्री अस्पताल की ओर से जारी बुलेटिन में एक दिन में 30 पॉजिटिव पाए जाने की सूचना दी गई है। चीफ मेडिकल हेल्थ ऑफिसर डॉ. बीएस सैत्या ने कहा कि गुरुवार को 8552 सैंपल टेस्ट किए गए, जिनमें से 8512 निगेटिव और 32 पॉजिटिव पाए गए। सीएमएचओ और स्वास्थ्य विभाग की टीम मिलिट्री हॉस्पिटल पहुंची और संक्रमितों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। राहत की बात है कि किसी मरीज में गंभीर लक्षण नहीं है। मरीजों में सर्दी, बुखार, जुखाम और बदन दर्द की शिकायत है। तीन महीने बाद अचानक बढ़ी संख्याजून महीने में कोरोना की दूसरी लहर कमजोर पड़ने लगी थी।

16 जून को जिले में 34 संक्रमित मरीज मिले थे, उसके बाद धीरे-धीरे मामले कम होने लगे। लेकिन अचानक से 53 लोगों के संक्रमित होने से तीसरी लहर की आशंका बढ़ने लगी है। एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़ने से बढ़ी चिंताजिले में सक्रिय मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। एक हफ्ते में एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 53 हो गई है। दो दिन पहले यहां संख्या 21 थी। अचानक यह संख्या बढ़ने से जिला प्रशासन और स्वास्थ्य

विभाग की चिंता बढ़ गई है।मुख्यमंत्री ने सतर्क रहने की अपील कीइंदौर में अचानक कोरोना मामलों में बढ़ोतरी पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चिंता जाहिर की है। शिवराज सिंह चौहान ने ट्वीट किया "प्रदेश में कोरोना संक्रमण नियंत्रण में है।

इंदौर में 30 पॉजिटिव मामले एक साथ मिले। वे सेना के जवान हैं जो कहीं बाहर से आए थे। इसलिए कल का संक्रमितों का आंकड़ा 36 के आसपास पहुंच गया है। हमें अत्यंत सावधानी रखने की आवश्यकता है"कोरोना से अब तक 10 हजार से ज्यादा लोगों की मौतराज्य में पिछले पांच दिनों से कोरोना संक्रमण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, इसमें इंदौर में सबसे ज्यादा मामला सामने आया है। सबसे बड़ी चिंता की बात है कि छोटे जिले संक्रमण की जद में तेजी से आ रहे हैं। राज्य में अब तक 7 लाख 92 हजार 425 लोग संक्रमित हो चुके हैं। वहीं, 7 लाख 81 हजार 814 ठीक हो चुके है। कोरोना के कारण अब तक 10 हजार 517 की मौत हो चुकी है।

दिग्विजय सिंह ने पूछा-देश जानना चाहता है प्रधानमंत्री को अमेरिका जाने की अनुमति कैसे मिली? उन्होंने तो कोवाक्सिन ली थी

टीएमसी नेता रिजू दत्ता के बाद अब कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीन दिवसीय अमेरिका यात्रा पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने शुक्रवार को ट्वीट किया कि- 'मुझे जहां तक जानकारी है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोवाक्सिन लगवाई थी जो अमेरिका में स्वीकृत नहीं है। क्या उन्होंने कोई और टीका लिया है या फिर अमेरिकी प्रशासन की ओर से उन्हें विशेष छूट दी गई है।'दिग्विजय सिंह ने आगे लिखा है कि देश यह जानना चाहता है कि कोवाक्सिन लगवाने वाले प्रधानमंत्री मोदी को अमेरिका में इजाजत कैसे मिल गई। करदाताओं के लिए ही हैं सारे नियम?इससे पहले रिजू दत्ता ने बुधवार को ट्वीट किया था कि पीएम मोदी को अमेरिका जाने की अनुमति कैसे मिली। क्योंकि अमेरिका ने अभी तक भारत में निर्मित कोवाक्सिन को मान्यता नहीं दी है। इस मामले में उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर से जवाब मांगा था। उन्होंने पूछा था कि क्या सारे नियम करदाताओं के लिए ही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने नहीं दी है मान्यता बता दें, भारत में निर्मित कोवाक्सिन को अभी तक न तो विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपनी मान्यता दी है और न ही अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की ओर से इसे मान्यता मिली है। हालांकि, कोवाक्सिन को मान्यता देने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से पांच अक्तूबर को एक बैठक प्रस्तावित है। क्या कहते हैं एक्सपट भारत बायोटेक की कोवाक्सिन लेने के बाद भी अमेरिका यात्रा पर गए प्रधानमंत्री को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय मामलों से जुड़े एक विशेषज्ञ का कहना है कि वैक्सीन का मामला केवल भारत से जुड़ा नहीं है। यह दुनिया के कई देशों से जुड़ा है। हर देश के पास वह वैक्सीन उपलब्ध नहीं हो सकती, जिसे अमेरिका में मान्यता मिली हो। ऐसे में जब भी विदेशी दौरे होते हैं तो राजनयिकों को विशेष रियायत दी जाती है। कई भारतीय असमंजस में भले ही विदेशी दौरों में राजनयिकों को विशेष रियायत दी जाती हो, लेकिन सवाल उन आम नागरिकों को लेकर है जिन्होंने कोवाक्सिन के दोनों डोज ले लिए हैं। अमेरिका में उच्च शिक्षा प्राप्त करने की इच्छा रखने वाली एक भारतीय महिला ने बताया कि उन्हें वाशिंगटन यूनिवर्सिटी में कोर्स मिल गया है। लेकिन समस्या यह है कि उन्होंने कोवाक्सिन के दोनों डोज लिए हैं, जिसे अमेरिका में मान्यता नहीं है। ऐसे में वह अमेरिका जा पाएंगी या नहीं इसको लेकर सवाल खड़ा है। 33 देशों के लिए अमेरिका खोल रहा दरवाजे लंबे प्रतिबंध के बाद अमेरिका 33 देशों के लिए अपने दरवाजे खोलने जा रहा है। इसमें भारत भी शामिल है। मिली जानकारी के अनुसार नवंबर से विदेशी यात्रियों को अमेरिका जाने की अनुमति होगी। लेकिन सवाल यह है कि मान्यता न मिलने के बाद कोवाक्सिन लगवा चुके नागरिकों का क्या होगा। क्या अमेरिका की सरकार उन्हें मान्यता देगी।

46 लाख जातियां? जानिए 2021 की जनगणना में OBC की गिनती पर सरकार ने क्या बोल खड़े हाथ किए

नई दिल्ली, राजनीतिक गलियारों में काफी चर्चा में रहे पिछड़े वर्गों की जातिगत जनगणना के मसले पर केंद्र सरकार ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि उसने 2021 की जनगणना में ओबीसी की गणना नहीं करने का फैसला किया है। SC में हलफनामा दाखिल कर सरकार ने कहा है कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अलावा पिछड़े वर्गों (Other Backward Caste) की जाति आधारित जनगणना प्रशासनिक रूप से काफी जटिल काम है और इससे पूरी या सही सूचना हासिल नहीं की जा सकती है। सरकार का कहना है कि जनगणना के दायरे से इस तरह की सूचना को अलग करना नीतिगत फैसला है। 2011 की जनगणना में कैसी गलतियां? केंद्र का रुख काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल ही में बिहार से 10 दलों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी और जाति आधारित जनगणना कराए जाने की मांग की थी। यही नहीं, सुशील कुमार मोदी जैसे बीजेपी के अपने नेता भी इसकी वकालत करते रहे हैं। अब सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जो हलफनामा दायर किया है, उसके मुताबिक सामाजिक आर्थिक और जाति जनगणना (SECC), 2011 में काफी गलतियां एवं अशुद्धियां हैं। ऐसे में उस पर भरोसा या उसका इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

काम की बात-आखिर ट्रेन में कितने तरह के होते हैं डिब्बे, जान लेंगे तो टिकट लेने के बाद नहीं होगी कभी दिक्कत

अक्सर ट्रेनों में सफर करने वाले लोगों को इसके बारे में जरूर पता होना चाहिए कि ट्रेन में कितने तरह के डिब्बे होते हैं। वैसे तो बहुत सारे लोगों को ये सब पता ही होता है, लेकिन जो लोग नहीं जानते हैं, उनको यह जरूर जानना चाहिए। आपने देखा होगा कि ट्रेन के डिब्बों पर 2S, 3S, CC और EC जैसे कोड लिखे होते हैं। क्या आप ये जानते हैं कि इनका मतलब क्या होता है? शायद नहीं जानते होंगे। तो चलिए हम आपको बताते हैं कि एसी से लेकर जनरल तक, ट्रेन में आखिर कितने तरह के डिब्बे होते हैं। शुरुआत करते हैं एसी फर्स्ट क्लास से। इसका किराया हवाई यात्रा के किराये जितना ही महंगा होता है। सुविधाओं की अगर बात करें तो इस डिब्बे में शानदार पर्सनल रूम जैसी सुविधाएं मिलती हैं। इसके अलावा एसी टू-टियर और एसी थ्री-टियर होता है। एसी टू-टियर का किराया और सुविधाएं फर्स्ट क्लास एसी के मुकाबले कम होती हैं और एसी थ्री-टियर का किराया टू-टियर के मुकाबले कम होता है। इनमें कॉमन ये है कि सभी कोच एसी वाले होते हैं। 3E एसी थ्री-टियर (इकोनॉमी) एयर कंडीशन कोच होते हैं। ऐसे कोच में स्लीपिंग बर्थ तो होते हैं, लेकिन रीडिंग लाइट्स जैसी सुविधाएं नहीं होती हैं। इसके अलावा अगर एग्जिक्यूटिव चेयर कार कोच की बात करें तो ये एसी वाले कोच तो होते हैं, लेकिन इसमें सिर्फ बैठने के लिए ही सीटें होती हैं, आप सो नहीं सकते हैं। इसलिए दिन के सफर के लिए इसे एक अच्छा ऑप्शन माना जाता है। CC एसी चेयर कार कोच में भी सिर्फ बैठने के लिए ही सीटें होती हैं। इस कोच को एसी डबल डेक सीटर भी कहा जाता है। अब आता है SL यानी स्लीपर क्लास। देश में सबसे ज्यादा लोग इसी कोच में सफर करते हैं। इसमें हरेक कोच में 72 यात्रियों के सोने की

व्यवस्था होती है। ऐसे कोच में एयर कंडीशन की सुविधा नहीं होती है। 2S यानी सेकेंड सीटर की अगर बात करें तो ये कोच चेयर कार की तरह ही होते हैं, लेकिन इसमें एसी की व्यवस्था नहीं होती है। इन्हें नॉन एसी डबल डेक सीटर भी कहा जाता है।

IPL 2021-मुंबई के खिलाफ केकेआर की जीत का मजा किरकिरा, कप्तान मोर्गन पर लगा 24 लाख रुपये का जुर्माना

कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान इयोन मोर्गन पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। मोर्गन पर यह जुर्माना मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच अबू धाबी में खेले गए मैच के बाद लगाया गया। इसके अलावा केकेआर की प्लेइंग इलेवन टीम पर भी जुर्माना लगाने की घोषणा की गई।

आईपीएल के दूसरे चरण में गुरुवार को मुंबई इंडियंस को कोलकाता नाइट राइडर्स के आगे हार का सामना करना पड़ा। अबू धाबी में खेले गए इस मुकाबले में केकेआर ने मुंबई को सात विकेट से पटखनी दी। कोलकाता की टीम की दूसरे चरण में यह लगातार दूसरी जीत है जबकि मुंबई लगातार दूसरी हार। इस जीत के साथ टीम अंकतालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई है। मुंबई के खिलाफ मिली केकेआर की जीत का मजा उस समय किरकिरा हो गया जब कप्तान इयोन मोर्गन सहित बाकी टीम पर जुर्माना लगाया गया। इसमें अकेले मोर्गन पर 24 लाख रुपये का जर्माना लगाया गया है। इस वजह से मोर्गन और बाकी टीम पर लगा जुर्माना23 सितंबर को मुंबई के खिलाफ खेले गए मैच के बाद आधिकारिक बयान के मुताबिक, केकेआर के कप्तान इयोन मोर्गन पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है, जबकि केकेआर प्लेइंग इलेवन के बाकी सदस्यों में से प्रत्येक पर 6 लाख रुपये या व्यक्तिगत मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। मोर्गन और टीम पर यह जुर्माना मैच के दौरान धीमी ओवर गति के चलते लगाया गया। आईपीएल की तरफ से जारी बयान में कहा गया, अबू धाबी के शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स पर जुर्माना लगाया गया है।वेंकटेश और राहुल ने खेली शानदार पारियांकोलकाता नाइट राइडर्स को मैच जिताने में राहल त्रिपाठी और वेंकटेश अय्यर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राहुल ने 42 गेंदों पर नाबाद 74 रनों की आतिशी पारी खेली। जबकि वेंकटेश ने 30 गेंदों पर 53 रन बनाए। इन दोनों बल्लेबाजों की बेहतरीन बैटिंग के चलते केकेआर ने मुंबई द्वारा दिए गए 156 रनों के लक्ष्य को 15.1 ओवर में केकेआर की टीम ने पूरा कर लिया। दूसरे सत्र में कोलकाता की यह लगातार दूसरी जीत है इससे पहले वह रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को हरा चुके हैं।

IPL 2021-दो मैच लगातार हार चुकी हैं मुंबई इंडियंस, हार्दिक की फिटनेस बनी समस्या, कोच शेन बॉन्ड ने दिया बयान

मुंबई इंडियंस को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेले गए मैच में सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा। आईपीएल के दूसरे चरण में मुंबई की यह लगातार दूसरी हार है। इससे पहले उसे चेन्नई सुपर किंग्स ने मात दी थी। इन दोनों मुकाबलों में टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या नहीं खेल पाए। उनकी फिटनेस मुंबई इंडियंस के लिए बड़ी समस्या बनी हुई है। ऐसा कहा जा रहा है कि हार्दिक अभी आगामी कुछ मैचों में भी नहीं खेल पाएंगे। उनकी अनुपस्थिति मुंबई इंडियंस को भारी पड़ रही है क्योंकि अब टीम अंक तालिका में खिसक कर छठे स्थान पर चली गई है। हार्दिक की फिटनेस को लेकर मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी कोच शेन बॉन्ड ने बयान दिया है। उनका कहना है कि हार्दिक अभी भी अभ्यास के दौरान लगी चोट से उबर रहे हैं। चयनकर्ताओं की भी हार्दिक पर निगाहेंहार्दिक पांड्या की फिटनेस सिर्फ मुंबई इंडियंस के लिए समस्या नहीं हैं। राष्ट्रीय टीम के चयनकर्ता भी उनके पर नजर रखे हुए हैं। आईपीएल के बाद टीम इंडिया को टी-20 विश्व कप खेलना है। हार्दिक टी-20 वर्ल्ड कप टीम के लिए भारतीय टीम के लिए चयनकर्ताओं की पसंद थे। अब उनकी फिटनेस को लेकर सिलेक्टर्स और टीम प्रबंधन भी परेशान है। ठीक हो रहे हैं हार्दिकमुंबई इंडियंस के गेंदबाजी कोच शेन बॉन्ड ने कहा है कि हार्दिक ठीक हो रहे हैं, हम उन्हें टीम में शामिल करने की

जल्दबाजी में नहीं हैं क्योंकि हम नहीं चाहते कि चोटिल होने के बाद पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो जाएं हमें उम्मीद है कि हम उन्हें जल्दी ही टीम में वापस लाएंगे। उन्होंने आगे कहा, वह अच्छी तरह से ट्रेनिंग कर रहे हैं, वह खेलने के और करीब आ रहे हैं, हम स्पष्ट रूप से भारत की जरूरतों के साथ-साथ अपनी टीम की जरूरतों को भी संतुलित कर रहे हैं, एक चीज जो यह फ्रेंचाइजी बहुत अच्छी तरह से करती है, वह है अपने खिलाड़ियों की देखभाल करना, न केवल इस प्रतियोगिता को जीतने की कोशिश के लिए बल्कि अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप पर भी नजर रखे हुए है। इसलिए, उम्मीद है कि अगले मैच के लिए हार्दिक को चुना जाएगा।पहले चरण में हार्दिक का प्रदर्शनआईपीएल के पहले चरण में अगर देखा जाए तो हार्दिक का प्रदर्शन बहुत प्रभावशाली नहीं रहा। इस दौरान वह सात मैचों में सिर्फ 52 रन बना पाए। जिनमें उनका सर्वोच्च स्कोर 16 रन रहा। फिटनेस समस्या के चलते उन्होंने पहले चरण में गेंदबाजी नहीं की थी। आईपीएल 2020 में मचाया था धमालइंडियन प्रीमियर लीग 2020 में हार्दिक पांड्या ने शानदार प्रदर्शन किया था। इस दौरान उन्होंने 14 मैचों में 179 के स्ट्राइक रेट से 281 रन का योगदान दिया। हार्दिक के इस धुंआधार प्रदर्शन के चलते मुंबई की टीम पांचवीं बार खिताब जीतने में सफल रही। क्या हार्दिक फिट हैं?क्या हार्दिक पांड्या फिट हैं यह बहुत बड़ा सवाल है? वह हाल ही में पीठ के निचले हिस्से की चोट से उबर चुके हैं, लेकिन उन्हें मैदान पर अपनी फिटनेस साबित करना बाकी है। पीठ की चोट से उबरने के बाद वह अच्छी गेंदबाजी करने में असफल रहे हैं। श्रीलंका दौरे पर उन्होंने गेंदबाजी की लेकिन तीन विकेट ही ले पाए। इसके अलावा वह तीन वनडे और एक टी-20 मैच में केवल 29 रन ही बना पाए थे।

Ashes 2021: खिलाड़ियों का परिवार बना मुद्दा, ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने बोरिस जॉनसन के इस अनुरोध को ठुकराया

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के उस अनुरोध को ठुकरा दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि एशेज के दौरान खिलाड़ियों के परिवार को साथ लाने की इजाजत दें। मॉरिसन ने गुरुवार को कहा कि इंग्लैंड के क्रिकेटरों के परिवारों के लिए आगामी एशेज सीरीज के दौरान परिवार को साथ लाने के लिए कोई 'विशेष डील' नहीं होगी। बता दें कि एशेज सीरीज 2021-22 की शुरुआत होने में अब तीन महीने से भी कम का समय बचा है और इंग्लैंड के खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अपने परिवार के साथ जाना चाहते हैं।आठ दिसंबर से शुरू होगा पहला टेस्टदोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट ब्रिसबेन में आठ दिसंबर से शुरू होगा। मगर ऑस्ट्रेलिया में इन दिनों कोरोना वायरस के चलते विदेशी यात्रियों पर सख्ती है। ऐसे में ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मौरिसन से आगामी एशेज श्रृंखला के लिए इंग्लैंड के क्रिकेटरों के परिवारों पर लगे यात्रा प्रतिबंध का मुद्दा उठाया।

कार्रवाई-सीआईए ने 'हवाना सिंड्रोम' मामलों से निपटने के लिए अपने वियना प्रमुख को किया बर्खास्त, रिपोर्ट में खुलासा

सीआईए ने हाल ही में अपने वियना, ऑस्ट्रिया स्टेशनमास्टर को बर्खास्त कर दिया । वियना प्रमुख को हवाना सिंड्रोम मामलों में वृद्धि को गंभीरता से नहीं लेने का आरोप है।एकअमेरिकी अखबार ने ने गुरुवार को बताया कि सीआईए ने हाल ही में अपने वियना, ऑस्ट्रिया स्टेशनमास्टर को आलोचना के बीच निकाल दिया कि व्यक्ति ने रहस्यमय हवाना सिंड्रोम मामलों में वृद्धि को गंभीरता से नहीं लिया। बता दें कि पिछले महीने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का वियतनाम दौरा भी इसी खतरे की वजह से कुछ वक्त के लिए टालना पड़ा था।हालांकि, सीआईए के एक प्रवक्ता ने रिपोर्ट की पुष्टि या खंडन करने से इनकार कर दिया, लेकिन कहा कि एजेंसी दुनिया भर में अमेरिकी राजनयिक मिशनों में रहस्यमय बीमारी की दर्जनों संभावित घटनाओं को गंभीरता से लेती है। सीआईए के उप निदेशक डेविड कोहेन ने पिछले सप्ताह कहा था कि इसका कारण और स्रोत रहस्यपूर्ण है। इलाज के लिए कर्मचारियों की बढ़ाई गई संख्यासीआईए और पेंटागन सहित अमेरिकी सरकार ने मामलों की जांच और इलाज के लिए कर्मचारियों की संख्या बढ़ा दी है। "हवाना सिंड्रोम"का मामला पहली बार क्यूबा की राजधानी में सामने आया था, इस बीमारी में नाक से खून, सिरदर्द, कमजोर दिखना और जी मचलाना समेत कई लक्षण हैं। 200 अमेरिकी अधिकारी इस बीमारी की चपेट में आएइस महीने एजेंसी के निदेशक विलियम बर्न्स के साथ भारत की यात्रा करने वाले एक सीआईए अधिकारी ने हवाना सिंड्रोम के बारे में मीडिया को सूचना दी थी। विदेशी मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले बताया गया कि पीड़ित की पहचान नहीं की गई थी, जिसके बाद उसका इलाज किया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, करीब 200 अमेरिकी अधिकारी और परिवार के सदस्य हवाना सिंड्रोम की चपेट में आ गए। क्या है हवाना सिंड्रोम ? हवाना सिंड्रोम बीमारी एक रहस्यमय वायरल है, जिसमें माइग्रेन, मतली, चक्कर, फीवर,याददाश्त चला जाना, आंखों की रोशनी कमजोर हो जाना, इम्यूनिटी पावर खत्म हो जाना शामिल हैं।2016 में पहली बार क्यूबा की राजधानी में पायी गई बीमारयह पहली बार 2016 में क्यूबा में पाया गया था। संयुक्त राज्य दूतावास के अधिकारियों ने इसका उजागर किया था। दूतावास के कर्मचारियों और केंद्रीय खुफिया एजेंसी के अधिकारियों और उनके परिवारों से जुड़े दर्जनों मामले हाल ही में वियना में दर्ज किए गए थे, लेकिन अज्ञात स्टेशन प्रमुख ने संदेह व्यक्त किया इस पर ध्यान नहीं दिया। इसे देखते हुए सीआईआई ने स्टेशन प्रमुख के खिलाफ कदम उठाया। कहां-कहां मिले हैं मामले?प्रतिष्ठित और सभ्या साज मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, 'हवाना सिंड्रोम' के मामले धीरे-धीरे पैर पसार रहे हैं। हर महाद्वीप से आने लगे हैं। क्यूबा के बाद चीन, जर्मन, ऑस्ट्रेलिया, ताईवान और यहां तक कि वाशिंगटन डीसी में भी इसके मरीज मिले। इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रिया के विएना से भी दर्जनों मामलों कों पता चला था। भारत में 'हवाना सिंड्रोम' के लक्षण नजर आने का यह पहला मामला है।

अमेरिका-नवंबर से खोलेगा विदेशी यात्रियों के लिए दरवाजे, दोनों वैक्सीन लगवा चुके लोग कर सकेंगे यात्रा

लंबे इंतजार के बाद अमेरिका विदेशी यात्रियों के लिए अपने दरवाजे खोलने जा रहा है। यह जानकारी अमेरिका के वित्त मंत्री की ओर से दी गई है।

मिली जानकारी के मुताबिक, अमेरिका नवबंर के पहले सप्ताह से अपने ज्यादातर हवाई अड्डों से विदेशी फ्लाइट को शुरू करेगा। दोनों वैक्सीन लगवा चुके लोग ही कर सकेंगे यात्राभले ही अमेरिका विदेशी यात्रियों के लिए अपने दरवाजे खोलने जा रहा हो। लेकिन अमेरिका की यात्रा केवल वही लोग कर सकेंगे जिन्होंने वैक्सीन के दोनों डोज लिए होंगे। वैक्सीन न लेने वाले या सिंगल डोज लेने वालों को अमेरिका में प्रवेश की इजाजत नहीं होगी। डेढ़ साल बाद 33 देशों के लिए खुलेंगी अतंरराष्ट्रीय सीमाएं बता दें, अमेरिका ने कोरोना के चलते अपनी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को बंद कर लिया था और विदेशी नागरिकों के लिए अमेरिका आने पर

प्रतिबंध लगा दिया था। लेकिन अब चीन, भारत, साउथ अफ्रीका, ब्राजील समेत यूरोप के 33 देशों के लिए अमेरिका अपने दरवाजे खोलने जा रहा है। अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए उठाया कदमयह बात किसी से छुपी नहीं है कि कोरोना के चलते विश्व की अर्थव्यवस्था पटरी पर आ गई है। कई रोजगार बंद हो गए हैं और देशों की जीडीपी निचले स्तर पर पहुंच चुकी है। ऐसे में सबसे ज्यादा नुकसान उनका हुआ है जिनकी जीविका पर्यटकों के सहारे चलती है। ऐसे में अमेरिका न्यूयॉर्क समेत पर्यटन वाले क्षेत्रों को अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए विशेषकर खोजने जा रहा है, जिससे अमेरिका की अर्थव्यवस्था को गति मिल सके।

ओस्लो-नोबेल पुरस्कार समारोह फिर रद्द, स्थायी शांति के लिए राजपक्षे की सलाह, पढ़ें पांच खबरें

श्रीलंका के राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे ने कहा है कि देश में स्थायी रूप से शांति हासिल करने के लिए घरेलू संस्थानों के जरिये तमिल समुदाय से सार्थक सुलह जरूरी है। उन्होंने जोर दिया कि उनकी सरकार इस प्रक्रिया में सभी पक्षकारों को शामिल करने तथा अपने अंतरराष्ट्रीय साझेदारों का सहयोग हासिल करने के लिए तैयार है।संयुक्त राष्ट्र महासभा की उच्च स्तरीय चर्चा को संबोधित करते हुए राजपक्षे ने कहा, 2009 तक देश को 30 वर्षों तक अलगाववादी युद्ध का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि 2019 में श्रीलंका ने ईस्टर संडे हमलों में चरमपंथी धार्मिक आu तंकवादियों द्वारा मचाई गई तबाही देखी जिसमें 250 से अधिक लोग मारे गए थेउन्होंने लिट्टे के साथ क्रूर संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा, आतंकवाद एक वैश्विक चुनौती है जिससे निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता है।श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने कहा, स्थायी शांति के लिए घरेलू संस्थानों के जरिये वृहद जवाबदेही, दृढ़ न्याय और सार्थक सुलह को बढ़ावा देना जरूरी है।मानवाधिकार परिषद की घोषणा के बाद आई राजपक्षे की टिप्पणीराजपक्षे की ये टिप्पणियां तब आई है जब संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने पिछले सप्ताह जिनेवा में घोषणा की थी कि उनके पास लिट्टे के साथ संघर्ष के अंतिम चरण में श्रीलंकाई बलों के कथित दुर्व्यवहार पर करीब 1,20,000 दस्तावेजों का सबूत है। उन्होंने नवंबर 2019 में राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर कहा था कि उन्हें सिंहली बहुसंख्यक आबादी ने चुना है और वे उनके हित में काम करेंगे।2021 का नोबेल पुरस्कार समारोह फिर रद्दनोबेल फाउंडेशन ने गुरुवार को बताया कि बीते वर्ष की तरह इस बार भी स्टॉकहोम में नोबेल पुरस्कार समारोह का आयोजन नहीं किया जाएगा। विजेताओं को पुरस्कार उनके देश में में ही पहुंचाया जाएगा। कोविड-19 के चलते लगातार दूसरे वर्ष यह समारोह रद करना पड़ा है। बीते वर्ष पुरस्कार समारोह के दौरान होने वाले कई उत्सवों की जगह ऑनलाइन गतिविधियों का आयोजन किया गया था।इस संबंध में नोबेल फाउंडेशन की तरफ से जारी वक्तव्य में कहा गया है कि सब चाहते हैं कि कोविड-19 खत्म हो जाए, लेकिन यह माहमारी अब भी हमारे बीच है। उम्मीद है नोबेल पुरस्कार विजेताओं के बिना ही एक छोटा समारोह किया जा सके, जिसका लाइव प्रसारण किया जाए। हालांकि, नॉर्वेजियन नोबेल कमिटी की तरफ से ओस्लो में विजेताओं को व्यक्तिगत तौर पर सम्मानित करने की संभावनाओं को खुला रखा है।समिति ने कहा कि अक्तूबर के मध्य में समिति ओस्लो में होने वाले समारोह के प्रारूप के बारे में घोषणा करेगी। पिछले वर्ष एक वर्चुअल समारोह में शांति का नोबेल पुरस्कार वर्ल्ड फूड प्रोग्राम को दिया गया था। इस वर्ष के चिकित्सा, भौतिकी, रसायन, शांति व गणित के नोबेल पुरस्कारों की घोषणा चार से 11 अक्तूबर के दौरान की जाएगी।केन्या में नौका पलटने से सात लोगों की मौतलेक विक्टोरिया में एक नौका के पलटने से सात लोगों की मौत हो गई। होमा बे काउंटी के आयुक्त मूसा लिलान ने बताया कि लेक से सात शव निकाले गए। मृतकों में एक बच्चा भी शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि चार लोग अब भी लापता हैं। पुलिस ने बताया कि हादसे के समय नौका पर 19 यात्री सवार थे।

दिल को झकझोर कर रख देती है रियल इंसिडेंट से इंसपायर फ़िल्म "दिल्ली कांड"

दिल्ली में हुए रेप कांड ने पूरे देश के लोगों में एक आक्रोश भर दिया था। उस मनहूस घटना पर बेस्ड एक हिंदी फीचर फिल्म "दिल्ली कांड" 24 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। लेखक, निर्देशक और निर्माता क्रितिक कुमार की इस फिल्म में संगीत का भी अच्छा स्कोप है जिसके गाने जी म्यूज़िक द्वारा रिलीज किए गए हैं। गैंग रेप जैसे घिनावने और जघन्य अपराध को दर्शाती इस फ़िल्म की कहानी एक बेहद सीधी सादी कॉलेज गर्ल से शुरू होती है। जो बेहद मासूम है और जिसकी आंखों में कई ख्वाब हैं, उसके दिल मे कई प्यारी ख्वाहिशें हैं। वह अपने माँ बाप की बहुत ही लाडली लडक़ी है। उसे एक नवजवान से मोहब्बत भी हो जाती है मगर एक रात उसके साथ समाज के कुछ खतरनाक हैवान ऐसा करते हैं कि उसकी जिंदगी तबाह हो जाती है। अब तक गैंग रेप केस की जांच और अदालती कार्रवाई को कई फिल्मों में दिखाया गया है लेकिन इस फिल्म में उस रात बस के अंदर क्या और कैसे हुआ था, किस तरह की दरिंदगी अपनाई गई थी। यह दिखाया गया है। हालांकि कई सीन और शॉट्स ऐसे हैं जो दिल दिमाग को विचलित कर सकते हैं। साथ ही आपको समाज के ऐसे हैवानों पर बहुत गुस्सा भी आएगा। निर्देशक क्रितिक कुमार ने एक प्रभावी फ़िल्म बनाई है। गैंगरेप की शिकार होने वाली लड़की पर क्या बीतती है, उसके मां बाप, उसके घरवालों पर क्या गुजरती है, इन सभी पहलुओं को इसमे बखूबी दर्शाया गया है। इस फ़िल्म के जरिये यह सन्देश देने का प्रयास भी किया गया है, कि जनता को छेड़खानी, बलात्कार या महिला से छेड़छाड़ के खिलाफ आवाज बुलंद करनी चाहिए। इस फ़िल्म में यह भी दर्शाया गया है कि लोग मदद करने के लिए सामने नही आते हैं, जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए। फैशन परेड फिल्म्स के बैनर तले बनाई गई इस फिल्म को 21 स्ट सेंचुरी आर्ट्स ने को - प्रोड्युस किया है। एसोसिएट प्रोडयूसर स्वाति सिंह हैं। एक्ट्रेस काशवी कंचन ने इसमें गैंग रेप की शिकार लड़की का किरदार अदा किया है। उनके कई शेड्स हैं और उन्होंने बेहतर परफॉर्मेंस दी है। वीरेंद्र सक्सेना ने इस फिल्म में रेप की शिकार लड़की के पिता का किरदार किया है जबकि टीवी ऐक्ट्रेस प्रीतिका चौहान एक जर्नलिस्ट के रोल में हैं।फ़िल्म में शाहबाज बवेजा ने रेपिस्ट का किरदार किया है। संगीतकार शशांक रंजन, सिंगर्स जावेद अली, आदित्य नारायण, अंतरा मित्रा, हर्षित सक्सेना, अमन त्रिखा इत्यादि हैं। फ़िल्म एक बार देखी जा सकती है। सोशल ईशु पर बेस्ड यह एक उम्दा सिनेमा है।

अनुपम खेर की अद्भूत भूमिका और लाजवाब अदाकारी ने "साँचा" को बना दिया देखने लायक सिनेमा

ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के आने की वजह से एक बात यह अच्छी हुई कि बहुत सारी फिल्में जो सिनेमाघर तक नहीं पहुंच पाई, उन्हें ओटीटी पर रिलीज किया गया। अनुपम खेर, रघुवीर यादव, मुकेश तिवारी, विजय राज, सुधा चंद्रन जैसे कलाकारों से सजी फ़िल्म साँचा एमएक्स प्लेयर पर रिलीज हुई है जिसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

फ़िल्म की कहानी काफी अलग है और इसका कंटेंट और ट्रीटमेंट ही इसे एक बेहतर सिनेमा बनाता है।

फ़िल्म सांचा आज के प्रगतिशील और सभ्य समाज में इंसान की भावनाओं के कड़वे सत्य को पेश करने का एक उम्दा प्रयास है। सांचा सिर्फ एक इंसान की कहानी नहीं है बल्कि यह एक विचार है जो हर उस इंसान से संबंधित है जो संकट से गुजरता है। हर माता-पिता ईश्वर से प्रार्थना करते है कि उन्हें एक बुद्धिमान और सेहतमंद बच्चा हो और यदि यह लड़की हो तो खूबसूरत हो। लेकिन क्या आप सोच सकते हैं कि भगवान की यह बहुत उदारता कुछ माता-पिता के लिए एक अभिशाप बन जाती है।

साँचा की कहानी एक गरीब महिला चंदा की है, जो अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए एक ईंट की भट्टी में काम करती है। जैसे हर मां अपने बच्चे की हिफाजत करती है, चंदा भी इस दुनिया की वासनापूर्ण निगाहों से बेटी को बचाने के लिए अपनी बेटी की चमकती त्वचा पर हर दिन भट्टी की राख लगा देती है। ताकि उसकी बेटी चकोरी गोरी या खूबसूरत नजर न आए और इस तरह वह दुनिया की हवस से बच जाए। चंदा अपने आत्म सम्मान के लिए सबसे मजबूत मां के रूप में खड़ी दिखाई देती है। दुर्भाग्यवश अपने पति की बीमारी के कारण वह ईंट भट्टी के ठेकेदार, शंभू (मुकेश तिवारी) से पैसा उधार लेती है, और अनजाने में उन मजबूर महिलाओं के बीच खुद को ले आती है जो जब भी चाहें उसके कर्ज के बदले में शारीरिक दुरुपयोग से गुजरती हैं। कहानी में मोड़ तब आता है जब एक दिन शंभू की आंखें चंदा की बेटी, चकोरी के आकर्षण को देखने के लिए चमकती हैं, जिसकी सुंदरता वर्षों से राख की परतों के नीचे छिपी हुई थी। इस भयानक स्थिति से निकलने और शम्भू के दुष्ट इरादे को महसूस करते हुए, चंदा ने अपनी बेटी के सम्मान की रक्षा करने के लिए एक समाधान पाया। विजय राज चंदा को समझाता है कि चकोरी की शादी जल्दी से कर दो, उसके जानने वालों में एक लड़का है। जब विजय राज से चकोरी के पिता रघुबीर यादव लड़के की उम्र पूछते हैं तो वह बताता है कि 50-55 वर्ष की उम्र होगी। इस पर चकोरी के मां बाप नाराज हो जाते हैं, मगर उस शम्भू के गंदे इरादे से बचाने के लिए एक अधेड़ व्यक्ति रामखिलावन (अनुपम खेर) से अपनी बेटी की शादी करवा देते हैं। चकोरी का पति, रामखिलावन अपने वैवाहिक जाल में एक कुंवारी लडकी को फंसाने के लिए बहुत खुश लगता है। लेकिन उसे एहसास होता है कि चकोरी उसे अपना पति नहीं बल्कि पिता जैसा मानती है तो वह अधेड़ आदमी एक अहम निर्णय लेता है। उसे यह एहसास हो जाता है कि उसने अपनी बेटी की उम्र की लड़की के साथ शादी करके बड़ी गलती की है, इसलिए वह अपनी साइकिल की दुकान पर काम करने वाले एक युवा लड़के से चकोरी की शादी करवा देता है। वह जाते जाते कहता है यह घर, ये दुकान और चकोरी अब तेरी जिम्मेदारी है।

देखा जाए तो अनुपम खेर इस फ़िल्म में हीरो के रूप में उभर कर सामने आते हैं। उन्होंने अपनी भूमिका और अपनी एक्टिंग से दिल जीत लिया है।

निर्देशक आलोकनाथ दीक्षित एक असरदार फ़िल्म बनाने में सफ़ल रहे है।

इस फ़िल्म के जरिये यह मैसेज देने का प्रयास भी किया गया है, कि किसी की गरीबी या मजबूरी का फायदा उठाकर बेटी की उम्र की लड़की से शादी करना कितना गलत है।

रघुबीर यादव ने चकोरी के पिता का रोल बखूबी प्ले किया है वहीं मुकेश तिवारी ने नकारात्मक रोल में बेहतर परफॉर्मेंस दी है।

फ़िल्म एमएक्स प्लेयर पर देखी जा सकती है। सामाजिक मुद्दे और समाज के कड़वे सच पर आधारित यह एक आंख खोलने वाला सिनेमा है।

अफवाहें तो उड़ेंगी

मुंबई, एक लड़का और लड़की जब साथ घूमते नजर आते हैं, तो लोग कई तरह की बातें करते हैं। अगर लड़का और लड़की फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हों तो अफवाहें उठनी स्वाभाविक ही हैं। एक्ट्रेस सना मकबूल और एक्टर विशाल आदित्य सिंह भी इन दिनों कुछ ऐसी ही अफवाहों के चलते सुर्खियों में हैं। दोनों की दोस्ती को लोग डेटिंग का नाम देने लगे हैं। इन अफवाहों को लेकर सना ने सवाल पूछा है, 'क्या एक लड़का और लड़की अच्छे दोस्त नहीं हो सकते हैं? हर बार डेटिंग के बारे में अटकलें क्यों लगानी पड़ती हैं? वे अच्छे दोस्त भी हो सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि डेटिंग की अटकलें कहां से शुरू हुई?'

श्रद्धा पर श्रद्धालु फिदा

मुंबई, अभिनेत्री श्रद्धा कपूर की क्यूटनेस के लाखों दीवाने हैं। हर बार वे ट्रेडिशनल और वेस्टर्न लुक से पैंâस का दिल जीत लेती हैं। परंतु सोशल मीडिया पर श्रद्धा इस बार देसी अवतार में दिखीं। रेड आउटफिट में श्रद्धा ने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। उन्होंने इसके साथ सटल मेकअप किया हुआ है और ऑक्सीडाइज ज्वैलरी पहनी हुई है, जिसकी वजह से वे बहुत ही सुंदर लग रही हैं। तस्वीरों में श्रद्धा अलग-अलग पोज दे रही हैं, जो उनके श्रद्धालुओं यानी चाहनेवालों को बेहद पसंद आ रही हैं।

'ये मर्द की बॉडी वाली...'

मुंबई, दक्षिण से बॉलीवुड में आई तापसी पन्नू आज बॉलीवुड में एक बड़ा नाम बन चुकी हैं। तापसी ने अपनी खूबसूरती और अदाकारी से बी टाउन में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। इसका प्रमाण तापसी से सोशल मीडिया अकाउंट पर देखने को मिलता है। तापसी खुद इसका श्रेय अपनी मेहनत को देती हैं। हाल ही में एक ट्विटर हैंडलर ने तापसी की तस्वीर पर उन्हें टैग कर लिखा, 'ये मर्द की बॉडी वाली सिर्फ तापसी ही हो सकती है।' इस पर तापसी ने कहा, 'मैं बस इतना कहूंगी कि ये लाइन याद रखिए और मैंने इस कॉम्प्लीमेंट के लिए बहुत मेहनत की थी।' तापसी जल्द ही आगामी स्पोर्ट्स फिल्म 'रश्मि रॉकेट' में दिखाई देंगी।

शादी से पहले नहीं!

मुंबई, बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम, फिल्मी करियर के साथ-साथ अपनी पर्सनल लाइफ के लिए भी चर्चा में रहती हैं। आदित्य धर से अपनी शादी के बाद एक्ट्रेस छाई हुई हैं। हाल ही में एक्ट्रेस अपनी शादी को लेकर दिलचस्प खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि शादी के पहले कोई एक-दूसरे को प्रपोज नहीं किया था। उन्होंने 'द कपिल शर्मा शो' के दौरान बताया, 'हम दोनों में से किसी ने किसी को भी प्रपोज नहीं किया था, ऐसे ही शादी हो गई थी।' यामी ने कहा कि उनकी नानी भी शादी में शामिल नहीं हो पाई थीं। गौरतलब हो कि यामी, कपिल के शो में अपनी नई फिल्म 'भूत पुलिस' का प्रमोशन करने आई थीं।

क्योंकि आप प्रेग्नेंट हैं...

मुंबई, बॉलीवुड में अभिनेत्रियों को कड़ी शर्तों के साथ काम मिलता है। खासकर तब जब वे नई हों या उनका कोई गॉडफादर या फिल्मी परिवार से ताल्लुक न हो। ऐसे ही एक तजुर्बे का खुलासा बिंदास और खूबसूरत अभिनेत्री नेहा धूपिया ने किया है। नेहा ने अपने गर्भवती होने के समय की बात बताते हुए कहा कि प्रेग्नेंट होने के कारण उन्हें प्रोजेक्ट्स से निकाल दिया गया था। नेहा ने आगे बताया कि वह दूसरे बच्चे की मां बनने वालीं थीं उसी दौरान एक फोन कंपनी ने कहा,

मौत के साए में

मुंबई, स्टाकर यानी की पीछा करनेवालों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। कई बार ये खतरनाक सिद्ध होता है। ऐसे एक स्टाकर से सिंगर एरियाना ग्रांडे करीब सात महीने तक खौफजदा थीं। एरियाना ने उनके घर से गिरफ्तार स्टॉकर के खिला फ रिस्ट्रेनिंग ऑर्डर के लिए कोर्ट में अर्जी दी है। एरियाना ने कहा कि स्टॉकर ७ महीने से उन्हें डरा रहा था और चाकू दिखाकर सिक्योरिटी गार्ड को कहा था, 'मैं तुम्हें और उसे (एरियाना) मार दूंगा।' बकौल एरियाना, 'मैं अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए चिंतित हूं।'

Bigg Boss 15-जंगल' थीम पर होगा बिग बॉस का घर, शो से पहले देखिए इसकी इनसाइड तस्वीरें

पॉपुलर रिएलिटी शो 'बिग बॉस 15' की शुरुआत 2 अक्टूबर से होने जा रही हैं। अब तक शो में जा रहे चार कंटेस्टेंट्स के नाम सामने आ चुके हैं। इस सीजन में उमर रियाज, शमिता शेट्टी, प्रतीक सहजपाल और डोनल बिष्ट नजर आने वाले हैं। जबकि बाकि कंटेस्टेंट्स के नाम का खुलासा होना अभी बाकी है। वहीं इस सीजन शो को जंगल थीम दिया गया है। शो को इस बार भी सलमान खान होस्ट करेंगे। सलमान ने शो को लेकर कई खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि इस सीजन की अवधि 5 महीने की होगी। साथ ही जंगल थीम के अनुसार कंटेस्टेंट्स को कम से कम सुविधाएं मिल पाएंगी। अब फैंस बेसब्री से शो का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच अब घर की इनसाइड तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रही हैं। देखिए इस सीजन बिग बॉस हाउस में क्या है नया और किन हालातों में रहेंगे कंटेस्टेंट्स। इस सीजन में दिग्गज अभिनेत्री रेखा अपनी आवाज भी देंगी। वो एक पेड़ के लिए एक वॉयसओवर देंगी।

शो के अब तक चार कंटेस्टेंट्स के नाम का भी खुलासा हो गया है। आसिम रियाज के भाई उमर रियाज के अलावा डोनल बिष्ट नज़र आएंगी। वहीं, 'बिग बॉस ओटीटी' के प्रतीक सहजपाल और शमिता शेट्टी भी शामिल होंगे। इस सीजन घर को जंगल थीम दिया गया है। इस वजह से कंटेस्टेंट्स को कम से कम सुविधाएं मिल पाएंगी। पिछले सीजन की तुलना में ये सीजन कंटेस्टेंट्स के लिए काफी चैलेंजिंग होने वाला है।

कोर्ट ने अभिनेता गौरव दीक्षित को ड्रग्स मामले में दी जमानत, शहर से बाहर न जाने के दिए निर्देश

ड्रग्स केस मामले में फंसे टेलीविजन अभिनेता गौरव दीक्षित मुंबई कोर्ट ने 50000 के मुचकले पर जमानत दे दी है और उन्हें कोर्ट द्वारा ये खास निर्देश दिए गए हैं की वो कोर्ट कि आज्ञा के बिना शहर के बाहर नहीं जाएंगे। इसी के साथ कोर्ट ने उन्हें ये भी निर्देश दिए की हर सोमवार और बुधवार को उन्हें चार्जशीट पूरी होने तक एनसीबी कार्यालय में रिपोर्ट करना होगा। बता दें कि एनसीबी ने गौरव दीक्षित के घर से एमडी और चरस बरामद किया था जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। टीवी अभिनेता गौरव दीक्षित को 30 अगस्त तक नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की हिरासत में भेजा गया था। गौरतलब है कि गौरव को अभिनेता एजाज खान से पूछताछ मामले के संबंध में गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में पहले भी कई गिरफ्तारी और पूछताछ हो चुकी है। बॉलीवुड के ए ग्रेड कलाकारों के अलावा टीवी एक्टर्स पर भी एनसीबी का शिकंजा कसा है।ड्रग्स के मामले में बीते दिनों टीवी अभिनेता और बिग बॉस फेम एजाज खान को हिरासत में लिया गया था। एनसीबी ने उनसे ड्रग्स के मामले में पूछताछ की तो उसमें कई और नाम सामने आए। इसके चलते एक के बाद एक कई टीवी एक्टर्स से कड़ी पूछताछ की गई और छापे मारे गए। गौरतलब है कि सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद ड्रग्स का एंगल सामने आने से एनसीबी हरकत में आ चुकी है और इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं की जा रही है। गौरव दीक्षित एक टीवी कलाकार हैं और फिल्मों में छोटे मोटे रोल निभा चुके हैं। वो 'द मैजिक ऑफ सिनेमा', दाहेक: द रेस्टलैस माइंड और बॉबी: लव और लस्ट जैसी में फिल्मों में काम कर चुके हैं। गौरव ने टीवी सीरियल जैसे सीता-गीता में काम किया है। एनसीबी को छापेमारी के दौरान उनके घर से प्रतिबंधित दवाइयां जैसे एमडी, एमडीएए और कई दूसरे नशीले पदार्थ बरामद हुए थे।

गुहार-महाराष्ट्र के सिनेमाघरों को जल्द से जल्द खोलने की मांग, संजय राउत से मिले फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज

हिंदी फिल्मों की कमाई का सबसे ज्यादा हिस्सा दिलाने वाले फिल्म वितरण क्षेत्र मुंबई के साथ साथ पूरे महाराष्ट्र के सिनेमाघर फिर से खोले जाने को लेकर फिल्म निर्माताओं और सिनेमाघर मालिकों ने शिवसेना से गुहार लगाई है। महाराष्ट्र में शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी की सरकार ने राज्य के सिनेमाघरों को खोलने पर पाबंदी जारी रखी है हालांकि देश के तकरीबन सभी राज्यों के सिनेमाघर 50 फीसदी क्षमता के साथ खुल चुके हैं और अभी तक इससे किसी तरह की बड़ी परेशानी होने की बात भी सामने नहीं आई है। मुंबई समेत महाराष्ट्र के सभी सिनेमाघरों के बंद होने से हिंदी फिल्मों के कारोबार पर खराब असर पड़ रहा है और इसके चलते तमाम बड़ी फिल्मों की रिलीज डेट भी अब आगे खिसकने लगी हैं। देश में सिनेमा का कारोबार मुख्य रूप से हिंदी, तेलुगू और तमिल सिनेमा पर सबसे ज्यादा निर्भर करता है। दुनिया के मुख्य मनोरंजन बाजारों में भारत की गिनती होती है। कोरोना काल के बावजूद भारतीय मनोरंजन जगत ने एक अनुमान के मुताबिक 70 अरब रुपयों से ज्यादा का कारोबार बीते साल किया हालांकि इसमें प्रमुख योगदान सीधे ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्मों और वेब सीरीज का रहा।

दुबई वास्तुकला के छात्रों के लिए हब है

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

दुबई में वास्तुकला के चमत्कार, सीखने के लिए विचारों के गुलदस्ते के रूप में विभिन्न वास्तुकला शैलियों और अवधारणा प्रदान करते हैं। गगनचुंबी इमारतों और विशेष प्रकार की इमारतों से विभिन्न अवधारणाएं इंजीनियरिंग और डिजाइन के चरम उदाहरण हैं।

शहरी प्लाजा डिजाइन और शहर की सुंदर वास्तुकला का एक ज्वलंत उदाहरण हैं। नियंत्रित वातावरण जो हितधारकों की जरूरतों का ख्याल रखता है और संवेदनशील रूप से जलवायु और भूविज्ञान की चुनौतियों का समाधान करता है। यह जगह हर चीज का मिश्रण है, जो विश्व स्तर पर आने वाले अपने सभी आगंतुकों को सर्वव्यापी महसूस कराती है। दुबई के आकर्षण इसके बड़े पैमाने और जटिलता को वर्गीकृत करते हैं। यह सिर्फ वास्तुकला का एक टुकड़ा नहीं है; यह एक समकालीन निर्माण है जो विभिन्न प्रकार के प्रभावों से डिजाइन की विभिन्न शैलियों का प्रतीक है। अध्ययन के उद्देश्य से दुबई जाने वाले वास्तुकला के छात्रों ने अभ्यास को एक समृद्ध

यात्रा पाया है जिसने समकालीन अंतर्राष्ट्रीय प्रथाओं की विस्तृत अंतर्दृष्टि प्रदान की है। यह स्थापत्य प्रथाओं में स्टालवार्ट्स के कार्यों के साथ एक एकल स्थल है। ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग के छात्रों ने उद्योग में नवीनतम रुझानों को जानने के लिए अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन दौरे के एक भाग के रूप में दुबई का दौरा किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विभिन्न निर्माण परियोजना कंपनियों का दौरा था, जो पर्दे के पीछे काम कर रही हैं और व्यावहारिक विवरण के लिए गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं।

कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्रों को इस यात्रा से लाभ हुआ और उन्होंने पेशे के प्रति अपने दृष्टिकोण में उल्लेखनीय परिवर्तन पाया। अधिक विस्तृत जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट tsapmumbai.in देखें।

FSAI मुंबई चैप्टर TSAP के साथ सहयोग

फायर एंड सिक्योरिटी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (FSAI) 2002 में स्थापित एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो अग्नि सुरक्षा, जीवन सुरक्षा, सुरक्षा, भवन स्वचालन, हानि निवारण और जोखिम प्रबंधन डोमेन का प्रतिनिधित्व करता है।

एक पहुंच के रूप में, एफएसएआई मुंबई चैप्टर की टीम ने अग्नि सुरक्षा, जीवन सुरक्षा, भवन स्वचालन, हानि निवारण और जोखिम प्रबंधन डोमेन के लिए चिंता का समाधान करने के लिए सक्षम आर्किटेक्ट्स को प्रशिक्षित करने और विकसित करने के लिए सहयोग के रूप में भागीदारी के लिए

ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग (TSAP) का दौरा किया। टीम ने उन तरीकों पर चर्चा की जिसमें उद्योग अकादमिक जुड़ाव बढ़ाया जा सकता है और (TSAP) में पर्यावरण प्रौद्योगिकी और अन्य उन्नत भवन स्वचालन प्रणाली के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं स्थापित की जा सकती हैं।

इस कार्यक्रम का नेतृत्व FSAI मुंबई चैप्टर के अध्यक्ष श्री रूपेश आर. उत्मोल और पूर्व अध्यक्ष श्री सी.के. अशर के साथ ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग के प्रिंसिपल धीरज साल्होत्रा और वाइस प्रिंसिपल पूर्वी कक्कड़ ने किया।

इस पहल ने, निवासियों और पेशेवरों के बीच अग्नि सुरक्षा जागरूकता के बारे में चिंता जताई। सहयोग को एक हेलोनिक परिसर स्थापित करने के लिए विकसित किया जा रहा है जो पेशेवरों के बीच संवाद और जागरूकता पैदा करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा।

FSAI टीम ने सुरक्षा आधारित प्रशिक्षण पहल के नेक कार्य में संस्थागत सहयोग स्थापित करने और भागीदारी करने के लिए अग्रणी पहल करने के लिए TSAP के प्रयासों की सराहना की।

सहयोग के परिणामस्वरूप पेशेवरों के लिए जागरूकता, संगोष्ठियों, साइट के दौरे, प्रकाशन और संयुक्त प्रमाणपत्र कार्यक्रमों के विकास के कार्यक्रमों के आसपास वर्ष का विकास होगा। आज ऐसे प्रशिक्षित पेशेवरों की आवश्यकता है जो जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए सुरक्षा ऑडिट करने में सक्षम हों।

कृष्णा चौहान फाउंडेशन प्रस्तुत महात्मा गांधी रत्न अवार्ड 2021

राष्ट्रपिता गांधी जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने का एक प्रयास है यह अवार्ड फंक्शन ; डॉ कृष्णा चौहान

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती देश भर में हर साल 2 अक्तूबर को बहुत जोश के साथ मनाई जाती है। बापू जी के जन्मदिन के मौके पर भारतवर्ष में भिन्न भिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस साल इस विशेष अवसर पर देश की आर्थिक राजधानी मुम्बई में डॉ कृष्णा चौहान "महात्मा गांधी रत्न अवार्ड 2021" का आयोजन करने जा रहे हैं। कृष्णा चौहान फाउंडेशन (रजिस्टर्ड) प्रस्तुत महात्मा गांधी रत्न अवार्ड 2021" 2 अक्टूबर को मेयर हॉल, अंधेरी वेस्ट मुम्बई में होने जा रहा है। कृष्णा चौहान फाउंडेशन (रजिस्टर्ड) के फाउंडर डायरेक्टर डॉ कृष्णा चौहान ने बताया कि महात्मा गांधी रत्न अवार्ड 2021 गांधी जी को श्रद्धांजलि पेश करने का एक प्रयास है। इस अवार्ड से समाज के ऐसे लोगों को पुरूस्कृत किया जाएगा जिन्होंने आम अवाम की भलाई, देश के विकास और समाज के हित के लिए काम

किया है, अहम योगदान दिया है।आपको बता दें कि बापू जी का पूरा नाम मोहन दास करमचंद गांधी था। अहिंसा के बलबूते पर उन्होंने देश को अंग्रेजों की गुलामी से आजादी दिलवाई थी। देश की स्वतंत्रता के लिए गांधी जी कई बार जेल भी गए थे। उनका जन्म दो अक्तूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। उन्होंने देश को आजाद करवाने के लिए लंबी लड़ाई लड़ी और एक मिसाल पेश की। आपको बता दें कि बॉलीवुड फिल्मों के डायरेक्टर और लीजेंड दादा साहेब फालके अवार्ड के फाउंडर डॉक्टर कृष्णा चौहान ने मेयर हॉल जूहू, मुम्बई में हाल ही में लीजेंड दादा साहेब फालके अवार्ड २०२१ भव्य पैमाने पर आयोजित किया था। इस अवार्ड फंक्शन में बहुत सारी सेलेब्रिटीज़ ने शिरकत की।

इस पुरस्कार समारोह में दादा साहेब फालके के ग्रैंडसन चंद्रशेखर पुसाल्कर भी चीफ गेस्ट के रूप में मौजूद थे। साथ ही मशहूर संगीतकार अनु मलिक, पद्मश्री अनूप जलोटा, गजेंद्र चौहान, मुकेश ऋषि, एक्टर सिद्धार्थ निगम, अरुण बख्शी, अनिल नागरथ, एक्ट्रेस रागिनी द्विवेदी, नीलम पांडे, दीप्ति तिवारी, गीतकार सुधाकर शर्मा, निर्देशक आलोकनाथ दीक्षित, निर्देशक दिनकर कपूर, ब्राइट आउटडोर के सीएमडी डॉ योगेश लखानी को भी इस पुरस्कार से नवाजा गया। इस अवार्ड फंक्शन के स्पेशल गेस्ट थे साउथ सिनेमा के मशहूर एक्टर सुमन तलवार। इंटरनेशनल सेलेब्रिटी एंकर सिमरन आहूजा ने इस अवार्ड शो को होस्ट किया जबकि इंटरनेशनल परफॉर्मर शीरीन फरीद, जेबा काजी की स्टेज परफॉर्मेंस ने सबका दिल जीत लिया। अवार्ड फंक्शन के बाद भी कुछ हस्तियों को सम्मानित किया गया उनमें तनीषा मुखर्जी, भरत गोराडिया, डॉ योगेश लखानी, हिमांशु झुनझुनवाला का नाम उल्लेखनीय है।कृष्णा चौहान की ओर से दिसंबर २०२१ को बोलीवुड लीजेंड अवार्ड २०२१ का आयोजन भी किया जाएगा।बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान रखने वाले कृष्णा चौहान फिल्म निर्देशक होने के हाथ साथ अवार्ड फंक्शन का आयोजन भी करते रहते हैं। साथ ही वह कृष्णा चौहान फाउंडेशन भी संचालित करते हैं।

महाराष्ट्र में हुई अनोखी शादी, 66 की दुल्हन ने 79 साल के बुजुर्ग संग लिए फेरे

यूं तो आपने अबतक कई शादियां देखी होंगी। कभी अपने रिश्तेदारो की ,तो कभी दोस्तों की। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी शादी के बारे में बताएंगे। जिसको जानकर आप हैरान हो जाएंगे। जी हां, उम्र की दहलीज को लांघते हुए बुजुर्ग जोड़े ने आगे की जिंदगी एकदूसरे के साथ बिताने के लिए शादी कर ली। यह शादी महाराष्ट्र के सांगली जिले में हुई है। जहां दुल्हन की उम्र 66 वर्ष है और दूल्हे की उम्र 79 वर्ष।

यह शादी सांगली जिले के मिरज स्थित आस्था बेघर महिला केंद्र में हुई है। जहां 66 वर्ष की दुल्हन शालिनी और 79 वर्ष के सेवानिवृत्त शिक्षक दादासाहेब

सालुंखे ने एकदूसरे का हाथ थाम लिया है। बेघर केंद्र में रहने वाली दुल्हन शालिनी बेघर हैं। दोनों पक्षों की तरफ से शादी के लिए सहमति जताई जाने के बाद प्रेमी जोड़ों ने सात -फेरे लेने का फैसला किया और दोनों शादी के बंधन में बंध गए। जानकारी के अनुसार मिरज के बेघर केंद्र मे रह रही 66 वर्षीय दुल्हन शालिनी के पति व बच्चे की असमय मौत के बाद वे अपना जीवन बेघर केंद्र में अकेले गुजार रही थी। उधर 79 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षक दादासाहेब सालुंखे की पत्नी का भी निधन हो गया था। सालुंखे के बच्चों की शादी के बाद वे अपनी-अपनी दुनिया में व्यस्त हो गए थे। इसके बाद दादासाहेब सालुंखे की ज़िंदगी अकेले गुजर रही थी। हालांकि बच्चों ने अपने पिता की दूसरी शादी के लिए सहमति दे दी थी। जिसके बाद दादासाहेब सालुंखे की नजर बेघर केंद्र में रह रही शालिनी पर पड़ी और फिर दूल्हे दादासाहेब सालुंखे ने उन्हें अपना जीवनसाथी बनाने का फैसला किया। आस्था बेघर केंद्र में रहने वाली दुल्हन शालिनी पाशन, और दूल्हा दादासाहेब सालुंखे की शादी से पहले बुजुर्ग वर-वधू की काउंसलिंग की गई। एक दूसरे को समझकर एक उज्जवल जीवन बिताने का फैसला किया। सभी कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद समाज सुधारक सावित्रीबाई और महात्मा फुले के फोटो पर माला अर्पण कर रीति-रिवाज के मुताबिक पुरानी व्यवस्था को तोड़ते हुए यह विवाह संपन्न कराया गया। शादी के दौरान ,आमंत्रित रिश्तेदार और गाँववालों ने दूल्हा-दुल्हन को सुखी विवाहित जीवन के लिए आशीर्वाद दिया।

गुजरात के युवा होम मिनिस्टर श्री हर्ष संघवी को आज गाँधीनगर में इंटरनेसनल डायमंड डे की और से गोल्ड रोज़, आइ ड़ी डी बुक , डायमंड शाल से सम्मानित करते हुये आइ ड़ी ड़ी के स्थापक हार्दिक हुँडिया , सुनिता हुँडिया , राकेश हुँडिया और बलराम पढियार ।

कोस्टल रोड की मुश्किल डगर हुई पार, 40 प्रतिशत काम हुआ पूरा

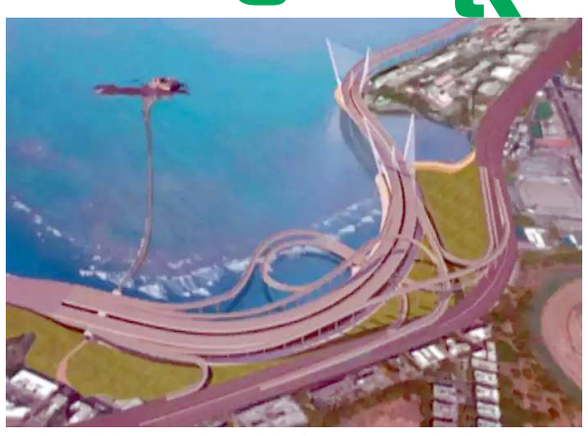

मुंबई, मुंबई की रफ्तार को बढाने के लिए बनाए जा रहे कोस्टल रोड का काम बीएमसी युद्ध स्तर पर कर रही है। बीएमसी कमिश्नर इकबाल सिंह चहल के मुताबिक अब तक कोस्टल रोड का 40 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है, जिसमें एक किलोमीटर सुरंग का काम भी शामिल है। इस परियोजना का सबसे मुश्किल चरण यानी मलबार हिल पहाड़ी के नीचे सुरंग बनाने का काम पूरा हो चुका है। इस परियोजना का यह सबसे कठिन चरण माना जा रहा था। इसी के साथ परियोजना पूरी होने के बाद 10 फीसदी पार्किंग की जगह यहां बढ़ जाएगी। गुरुवार को बीएमसी कमिश्नर इकबाल सिंह चहल ने परियोजना के प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि 12,700 करोड़ रुपये लागत से बन रहे कोस्टल रोड परियोजना का काम 24 घंटे निरंतर रूप से चल रहा है। प्रियादर्शनी पार्क से गिरगांव तक बनाई जा रही एक किलोमीटर लंबी सुरंग पूरी कर ली गई है। कमिश्नर ने बताया कि अब केवल 900 मीटर का काम बचा है। नवंबर 2023 तक कोस्टल रोड का काम पूरा करने का दावा कमिश्नर ने किया है। कोस्टल रोड के मुख्य अभियंता विजय निगोटे ने बताया कि मलाबार हिल में बन रही सुरंग की कुल लंबाई 2.7 मीटर है। यहां आवागमन के लिए दो सुरंगों का निर्माण किया जाएगा। सुरंग का व्यास 40 फीट रहेगा। सुरंग लगभग चार मंजिला इमारत के आकार की है।

बेस्ट लाएगी कॉमन मोबिलिटी कार्ड, प्रस्ताव पर लगी मुहर

मुंबई, हाल ही में बेस्ट कमिटी की ओर से नैशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) और डिजिटल टिकट निकालने वाली एक मोबाइल ऐप के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी गई। लेकिन कमिटी के इस निर्णय के बाद राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। गौरतलब है कि कमिटी में फिलहाल शिवसेना का वर्चस्व है, जिसने इन दोनों योजनाओं को मंजूरी दी है लेकिन बीजेपी का कहना है कि उन्हें इस विषय में अपना मत रखने का मौका दिए बिना बात आगे बढ़ा दी गई।

बीजेपी ने लगाया आरोप

बीजेपी ने बताया कि कमिटी की बैठक के दौरान चेयरमैन आशीष चेंबूरकर ने प्रशासन द्वारा पटल पर रखे गए प्रस्ताव की घोषणा कर दी। इस पर कोई विचार विमर्श नहीं किया गया। बीजेपी नेता सुनील गनाचार्य के अनुसार, 'मीटिंग के दौरान चेयरमैन ने ₹100 करोड़ रुपये के मूल्य वाले 4-5 प्रस्ताव 5-6 मिनट में ही मंजूर कर लिए गए। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। हमें अपना पक्ष रखने का भी मौका नहीं दिया गया।'

शिवसेना का जवाब

कमिटी के चेयरमैन आशीष

चेंबूरकर के अनुसार, 'जब मीटिंग के दौरान प्रस्ताव के बारे में बताया जा रहा था तब किसी ने आवाज नहीं उठाई। न ही किसी ने हाथ उठाया और न ही विरोध दर्ज किया। हमें लगा कि निविदा के बाद जिस कॉंट्रैक्टर ने अच्छी बोली लगाई, उसे कॉन्ट्रैक्ट मिला।'

प्रशासन को दलील

बेस्ट प्रशासन की ओर से बताया गया कि कॉन्ट्रैक्टर नियुक्त करने में सभी नियमों का पालन हुआ है। एक अधिकारी ने बताया कि इस बार एनसीएमसी और मोबाइल ऐप के लिए कॉन्ट्रैक्ट किया गया है, जिसकी कीमत करीब ₹85 करोड़ रुपये है।

क्या है प्रस्ताव

कमिटी में जो प्रस्ताव पारित किए गए हैं, उनमें से एक है एनसीएमसी। एनसीएमसी द्वारा बेस्ट की बस हों या मेट्रो या फिर लोकल ट्रेन, सभी सेवाओं के लिए एक ही टिकट से काम हो जाएगा।

इसी तरह एक और प्रस्ताव है जिसमें डिजिटल टिकट देने वाले एक मोबाइल ऐप को डिवेलप करना है। इसके लिए 6 साल की अवधि के लिए ₹85 करोड़ का कॉन्ट्रैक्ट किया जा रहा है।

मोबिलिटी कार्ड में बेस्ट

सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में देशभर में बेस्ट सबसे पहले नैशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड के लिए पहले कदम उठाने वाली इकाई होगी।

इस योजना के तहत करीब दस हजार बस कंडक्टरों के हाथ मशीनें दी जाएंगी। मशीनों से निकला कार्ड यात्री मेट्रो या लोकल ट्रेन में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। सीजन टिकट वाले भी कार्ड का टॉपअप कराने के बाद टिकट खरीद सकेंगे।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।